वर्ष : 34 ▸ अंक : 15 ▸ पृष्ठ : 8 ▸ मुंबई, रविवार, 23 मार्च 2025 ▸ RNI: MAHHIN/49994/91 ▸ मूल्य : 3 रुपए ▸ epaper.dobajedopahar.com ▸ संपादक : अरुण लाल

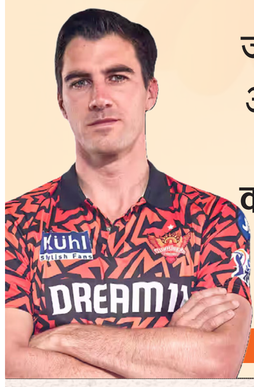

जीत के साथ अभियान की शुरुआत करना चाहेगी SRH

▸ पेज - 7

DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

पहले भी घोटाले में आया था जस्टिस वर्मा का नाम

▸ पेज - 8

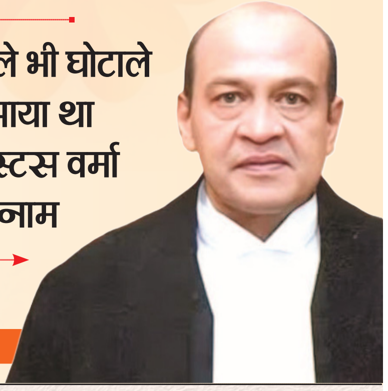

दूर से अपना घर देखना चाहिए

मजबूरी में न लौट सकने वाली
दूरी से अपना घर
कभी लौट सकेंगे की पूरी आशा में
सात समुन्दर पार चले जाना चाहिए।
जाते जाते पलटकर देखना चाहिये
दूसरे देश से अपना देश
अन्तरिक्ष से अपनी पृथ्वी
तब घर में बच्चे क्या करते होंगे की याद
पृथ्वी में बच्चे क्या करते होंगे की होगी
घर में अन्न जल होगा की नहीं की चिंता
पृथ्वी में अन्न जल की चिंता होगी
पृथ्वी में कोई भूखा
घर में भूखा जैसा होगा
और पृथ्वी की तरफ लौटना
घर की तरफ लौटने जैसा।
घर का हिसाब किताब इतना गड़बड़ है
कि थोड़ी दूर पैदल जाकर घर की
तरफ लौटता हूँ
जैसे पृथ्वी की तरफ

कविताओं में प्रेम और प्रकृति रचता हुआ कवि

विनोद कुमार शुक्ल को ज्ञानपीठ पुरस्कार

एजेंसी । नई दिल्ली

हिंदी साहित्य के महान कवि और लेखक विनोद कुमार शुक्ल को इस वर्ष का ज्ञानपीठ पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। यह घोषणा शनिवार (22 मार्च) को नई दिल्ली में ज्ञानपीठ चयन समिति ने की। यह सम्मान सिर्फ एक कवि का नहीं, बल्कि उन अनगिनत संवेदनाओं और भावनाओं का भी है, जिन्हें विनोद कुमार शुक्ल ने अपनी कविताओं में सहेजा है। वे प्रेम और प्रकृति के कवि हैं, लेकिन उनके शब्दों में सिर्फ फूलों की खुशबू नहीं, संघर्ष की मिट्टी की सौंधी महक भी होती है। उनकी कविताओं में नदी की बहती धारा है, पहाड़ की स्थिरता है, घाटियों की गहराई है और सबसे गरीब आदमी की पीड़ा भी। वे सादगी से जादू रचने वाले कवि हैं—जो बिना शोर किए, बिना आक्रोश के भी गहरे भावनात्मक असर छोड़ जाते हैं।

उनकी कविता हाशिये पर खड़े लोगों की चुप्पी को आवाज़ देती है, लेकिन वह आवाज़ चीखती नहीं, बल्कि संवेदनाओं की संगीतमय लय में बहती है। उनकी काव्य भाषा, शिल्प और अभिव्यक्ति इतनी सजीव है कि पाठक शब्दों के बीच खुद को खोजने लगता है। विनोद कुमार शुक्ल सिर्फ कवि नहीं, एक एहसास हैं—जो जीवन के सबसे कोमल और सबसे कठोर पहलुओं को अपने शब्दों में जीवंत कर देते हैं।

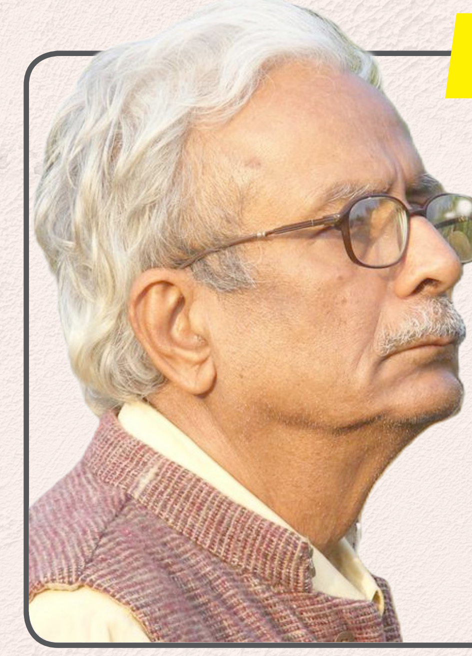

विनोद कुमार शुक्ल का लेखन और प्रमुख कृतियां

कविता संग्रह:
- लगभग जयहिंद (1971)
- वह आदमी चला गया नया गरम कोट पहनकर
- आकाश धरती को खटखटाता है
- कविता से लंबी कविता

बाल साहित्य:
- हरे पत्ते के रंग की पतरंगी
- कहीं खो गया नाम का लड़का

उपन्यास:
- नौकर की कमीज
- खिलेगा तो देखेंगे
- दीवार में एक खिड़की रहती थी

कहानी संग्रह:
- पेड़ पर कमरा
- आदमी की औरत
- महाविद्यालय

रजा पुरस्कार
- मातृभूमि बुक ऑफ द ईयर अवार्ड
- पेन अमेरिका नाबोकॉव अवार्ड (यह सम्मान पाने वाले वे एशिया के पहले साहित्यकार थे)

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मान
- साहित्य अकादमी पुरस्कार (दीवार में एक खिड़की रहती थी के लिए)
- गजानन माधव मुक्तिबोध फेलोशिप

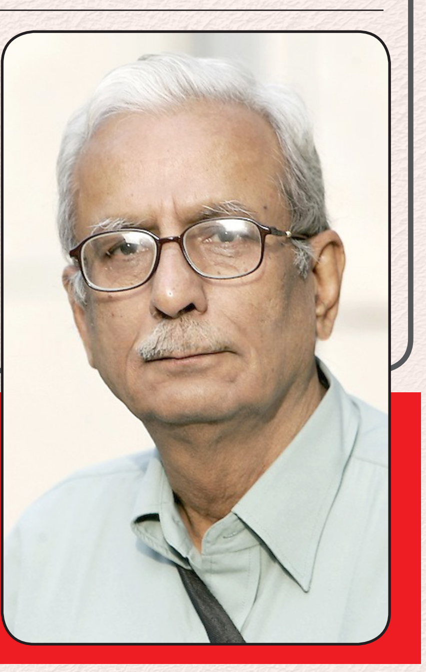

छत्तीसगढ़ के पहले साहित्यकार को मिला यह सम्मान

यह पहली बार है जब छत्तीसगढ़ के किसी साहित्यकार को देश का सर्वोच्च साहित्यिक सम्मान मिला है। विनोद कुमार शुक्ल, जो पिछले छह दशकों से साहित्य की दुनिया में सक्रिय हैं, का जन्म 1 जनवरी 1937 को राजनांदगांव में हुआ था और वे लंबे समय से रायपुर में रह रहे हैं। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि यह राज्य के लिए गर्व की बात है कि विनोद कुमार शुक्ल जी को यह प्रतिष्ठित सम्मान मिला है। उन्होंने छत्तीसगढ़ को साहित्य के पटल पर गौरवान्वित किया है।

यह बहुत बड़ा सम्मान है : विनोद कुमार शुक्ल

अपनी सहज भाषा और संवेदनशील लेखन के लिए पहचाने जाने वाले विनोद कुमार शुक्ल ने कहा, 'यह बहुत बड़ा पुरस्कार है। मैंने कभी सोचा नहीं था कि मुझे यह मिलेगा। दरअसल, मैंने कभी पुरस्कारों पर ध्यान नहीं दिया। लोग मुझसे अक्सर कहते थे कि मुझे ज्ञानपीठ पुरस्कार मिलना चाहिए, लेकिन मैं क्या कहता? झिझक के कारण मैं कभी सही शब्द नहीं खोज पाया।'

न्यूज़ ब्रीफ

ब्रिटेन के विश्वस्त जासूस रहे ओलेग गोर्डिएव्स्की का निधन

लंदन। चोरी-छिपे ब्रिटेन को गोपनीय सूचना प्रदान कर शीतयुद्ध की दिशा बदलने में मदद पहुंचाने वाले पूर्व सोवियत केजीबी अधिकारी ओलेग गोर्डिएव्स्की का निधन हो गया। वह 86 साल के थे। उन्होंने इंग्लैंड में चार मार्च को अंतिम सांस ली, जहां वह 1985 में देश छोड़ने के बाद से रह रहे थे। इतिहासकार गोर्डिएव्स्की को उस दौर के सबसे महत्वपूर्ण जासूसों में से एक माना जाता था। 1980 के दशक में उनकी खुफिया जानकारी की वजह से तत्कालीन सोवियत संघ और पश्चिम के बीच परमाणु तनाव को बढ़ने से रोकने में मदद मिली थी।

प्याज पर 20 प्रतिशत निर्यात शुल्क वापस

नई दिल्ली। सरकार ने एक अप्रैल से प्याज पर 20 प्रतिशत निर्यात शुल्क वापस लेने का ऐलान किया है। एक आधिकारिक बयान में शनिवार को बताया गया कि यह कदम किसानों के हितों की रक्षा के लिए उठाया गया है।

कहा गया कि उपभोक्ता मामलों के विभाग से पत्र मिलने के बाद राजस्व विभाग ने इस संबंध में अधिसूचना जारी की है। मंत्रालय ने कहा कि यह फैसला किसानों को लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने और उपभोक्ताओं के लिए प्याज की वाजिब कीमत बनाए रखने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

यूपी मॉडल पर महाराष्ट्र

हिंसा के गुनहगारों पर बुलडोजर!

दंगाइयों से नुकसान की भरपाई करवाने का सीएम फडणवीस का ऐलान

अमित बृज । मुंबई/नागपुर

नागपुर में हुई हिंसा के बाद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सख्त रुख अपनाते हुए साफ कर दिया कि सार्वजनिक संपत्ति को जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई गुनहगारों से ही करवाई जाएगी। अगर वे भुगतान नहीं करते हैं, तो उनकी संपत्तियां जब्त कर ली जाएंगी और जरूरत पड़ी तो बुलडोजर की कार्रवाई भी की जाएगी। फडणवीस ने बताया कि अब तक 104 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है, और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आगे भी गिरफ्तारियां जारी रहेंगी। इसके अलावा, सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों को भी बख्शा नहीं जाएगा। अब तक 68 सोशल मीडिया पोस्टों की पहचान कर उन्हें डिलीट किया जा चुका है।

सख्त एक्शन की चेतावनी

मुख्यमंत्री ने दो टूक शब्दों में कहा कि जो लोग इस हिंसा में शामिल हैं, उन्हें इसकी भारी कीमत चुकानी होगी। अगर वे नुकसान की भरपाई नहीं करते हैं, तो उनकी संपत्तियां जब्त कर ली जाएंगी और बुलडोजर भी चलाया जा सकता है। गौरतलब है कि नागपुर के कई हिस्सों में 17 मार्च को पथराव और आगजनी की खबरें आईं। यह हिंसा छत्रपति संभाजी नगर स्थित मुगल बादशाह औरंगजेब की कब्र हटाने की मांग को लेकर विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन के दौरान धार्मिक लेख वाली चादर जलाने की अफवाह के बाद हुई।

बांग्लादेशी लिंक का हाथ नहीं: सीएम फडणवीस

मुख्यमंत्री ने इस घटना को लेकर तमाम अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि इसमें किसी विदेशी ताकत या बांग्लादेशी लिंक का हाथ नहीं है। साथ ही, उन्होंने साफ किया कि इस हिंसा का कोई राजनीतिक एंगल भी सामने नहीं आया है। फडणवीस ने इंटेलिजेंस की भूमिका पर भी सफाई देते हुए कहा कि यह घटना खुफिया तंत्र की नाकामी नहीं है, लेकिन सूचना तंत्र और मजबूत हो सकता था। इस हिंसा को लेकर कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि महिला पुलिसकर्मियों से छेड़छाड़ हुई, लेकिन मुख्यमंत्री ने इन खबरों को अफवाह बताते हुए खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि महिला पुलिसकर्मियों पर पत्थरबाजी हुई, लेकिन किसी तरह की छेड़छाड़ नहीं हुई।

सोशल मीडिया पर भी सख्ती

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों को भी चेतावनी दी। उन्होंने बताया कि अब तक 68 भड़काऊ पोस्ट की पहचान की जा चुकी है और उन्हें हटा दिया गया है। इसके बाद उन्होंने कहा– "जो लोग सोशल मीडिया के जरिए माहौल खराब करने की कोशिश करेंगे, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा।"

पुलिस कोरटकर के खिलाफ कार्रवाई करेगी : फडणवीस

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को उन आरोपों का खंडन किया कि पुलिस नागपुर के पत्रकार प्रशांत कोरटकर को बचा रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस कोरटकर के खिलाफ कार्रवाई करेगी। कोरटकर पर एक इतिहासकार के साथ फोन पर बातचीत के दौरान छत्रपति शिवाजी महाराज और उनके बेटे छत्रपति संभाजी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप है। कोरटकर के दुबई में होने की बात पर फडणवीस ने कहा कि इस मुद्दे पर बिना पुष्टि के खबरें फैलाई जा रही हैं।

मुंबई के बांधों में पानी का स्तर 39% तक गिरा

• बीएमसी ने मांगा आरक्षित जल

धीरज सिंह । मुंबई

मुंबई को जलापूर्ति करने वाले सात प्रमुख बांधों का जलस्तर 39% तक कम हो गया है, जिससे जल संकट की आशंका बढ़ गई है। गर्मी के कारण तेजी से बढ़ते वाष्पीकरण को देखते हुए बृहन्मुंबई नगर निगम (BMC) ने राज्य सरकार से आरक्षित जल स्टॉक के उपयोग की अनुमति मांगी है ताकि जुलाई के अंत तक जलापूर्ति सुनिश्चित की जा सके।

जल भंडारण स्थिति

मुंबई को पानी देने वाले उर्ध्व वैतरणा, मोदकसागर, तानसा, मध्य वैतरणा, भाटसा, विहार और तुलसी बांधों में कुल जल संग्रहण 566,599 मिलियन लीटर (39.15%) रह गया है। पिछले साल इसी समय जलस्तर 40.21% था, जबकि 2023 में यह 33% था।

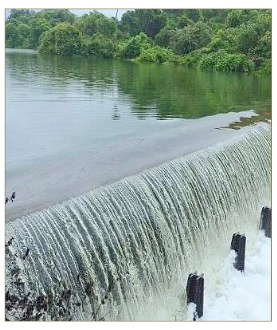

कौन से बांधों में कितना पानी बचा?

- विहार – 50.37%
- तुलसी – 48.45%
- उर्ध्व वैतरणा – 49.22%
- मध्य वैतरणा – 42.98%
- भाटसा – 38.68%
- तानसा – 31.80%
- मोदक सागर – 23.52%

बीएमसी ने राज्य सरकार से मांगा आरक्षित पानी

मुंबई महानगरपालिका ने राज्य सरकार को एक अनुरोध पत्र भेजकर राज्य के स्वामित्व वाले दो बांधों, उर्ध्व वैतरणा और भातसा में आरक्षित स्टॉक की मांग की है। इस पत्र के माध्यम से उर्ध्व वैतरणा बांध से 68 हजार मिलियन लीटर तथा भातसा बांध से 1 लाख 13 हजार मिलियन लीटर आरक्षित जल की मांग मुंबई मनपा प्रशासन से की गई है।

मुंबई में पानी की मौजूदा स्थिति

फिलहाल पानी कटौती की जरूरत नहीं है, लेकिन गर्मी बढ़ने के साथ जलस्तर में गिरावट हो सकती है। कई इलाकों में पानी का दबाव पहले से ही कम है, जिससे जल संकट की संभावना बढ़ रही है। मानसून जून में शुरू होता है, लेकिन बांध क्षेत्रों में भारी बारिश जुलाई में होती है।

RCB ने जीता IPL 2025 का पहला मैच

एजेंसी । कोलकाता

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने जीत के साथ आईपीएल के 18वें सीजन का आगाज किया है। पहली बार कप्तानी कर रहे रजत पाटीदार ने पहले कप्तानी में अपना चतुर दिमाग दिखाया और फिर बल्ले से 16 गेंद में 34 रनों की धुआंधार पारी खेली। केकेआर ने पहले खेलने के बाद आरसीबी को 175 रनों का लक्ष्य दिया था। जवाब में आरसीबी ने 16.2 ओवर में लक्ष्य का पीछा कर लिया।

फडणवीस सरकार के एक और मंत्री मुश्किल में

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र के श्रीरामपुर के अहिल्या नगर में आदिवासी पारधी समुदाय के दो युवकों, राहुल पिंपले और भरत काले की हत्या का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। मृतकों के परिजनों का आरोप है कि राजस्व मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल के करीबी विजय वायकर गिरोह ने इनकी निर्मम हत्या की और पुलिस पर दबाव डालकर मामले को दबाने की कोशिश की जा रही है।

मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल के इस्तीफे की मांग, हत्या मामले ने पकड़ा तूल

हत्या के पीछे अवैध रेत तस्करी का मामला?

नेताओं का आरोप है कि मुख्य आरोपी विजय वायकर और उसके गिरोह ने रेत तस्करी के लिए पीड़ितों पर दबाव डाला था। राहुल ने अपना ट्रैक्टर तस्करी के लिए देने से इनकार कर दिया, जिसके कारण उसकी हत्या कर दी गई। हत्या के चार महीने बाद भी मुख्य आरोपी फरार है, जिससे विखे पाटिल पर पुलिस को दबाव में लेने के आरोप लग रहे हैं।

एसआईटी जांच और इस्तीफे की मांग

राहुल की भाभी वैशाली पिंपले और भरत की मां उषाबाई काले ने सेवानिवृत्त जज की अध्यक्षता में विशेष जांच टीम (SIT) गठित करने और मंत्री विखे पाटिल के इस्तीफे की मांग की है। पीड़ित परिवार मुंबई के आजाद मैदान में अनशन पर बैठा है। उन्हें कई राजनीतिक दलों और संगठनों का समर्थन मिल रहा है, जिन्होंने आंदोलन छेड़ने की चेतावनी दी है।

'सुरक्षा गारंटी' पर राणा

मुस्लिमों को आंख दिखाने वालों को बख्शेंगे नहीं : अजीत पवार

अजित पवार ने आंख देखने का नया व्यवसाय शुरू किया है: नारायण राणे

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुस्लिम समुदाय के खिलाफ लगातार हो रही बयानबाजी के बीच मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की ओर से मंत्री नितेश राणे को 'राजधर्म' की याद दिलाने के बाद अब उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने भी कड़े तेवर दिखाएं हैं। अजित पवार ने नितेश राणे को कड़े शब्दों में जवाब देकर अप्रत्यक्ष रूप से मुस्लिम समुदाय को 'सुरक्षा की गारंटी' दी है। अजित के बयान के बाद बीजेपी और एनसीपी (अजित गुट) आमने-सामने आ गए हैं। बीजेपी सांसद नारायण राणे ने अजित पवार के मुस्लिमों वाले बयान पर पलटवार किया है। नारायण राणे ने कहा कि लगता है कि अजित पवार ने आंख देखने का धंधा शुरू किया है।

डिप्टी सीएम के बयान पर नारायण राणे का पलटवार

अजीत पवार के बयान पर भाजपा सांसद नारायण राणे ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि अजित पवार ने आंखें जांचने का नया धंधा शुरू कर दिया है।'

अजित के बयान पर फडणवीस की प्रतिक्रिया

अजित पवार द्वारा मुसलमानों पर की गई टिप्पणी पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने कहा कि मुझे नहीं पता अजित पवार ने क्या बोला है। हम भी यही कहते हैं कि जो अच्छा नागरिक है, देशभक्त है अगर उस पर कोई हाथ उठाएगा चाहे वो किसी भी जाति का हो, धर्म का हो। तो हम भी वो सहन नहीं करेंगे, लेकिन जो समाज को तोड़ने का काम करेगा और समाज में हिंसा फैलाएगा उसको छोड़ेंगे नहीं। अजित पवार की मुसलमानों पर की गई टिप्पणी को लेकर कांग्रेस नेता आलोक शर्मा ने कहा कि हिंदू-मुस्लिम के बीच उबाल बनाए रखने के लिए यह भाजपा की सोची-समझी रणनीति है।

कहां और क्या बोले अजित पवार?

उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने रमजान के पवित्र महीने के अवसर पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की ओर से आयोजित दावत-ए-इफ्तार में भाग लिया। इस विशेष कार्यक्रम में सभी वर्गों के लोगों ने बड़े आनंद के साथ भाग लिया। इस कार्यक्रम में अजित पवार, प्रफुल्ल पटेल, छगन भुजबल, सुनील तटकरे, हसन मुश्रीफ, नवाब मलिक आदि नेता उपस्थित थे। इस अवसर पर मुस्लिम समुदाय को संबोधित करते हुए अजित पवार ने कहा कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी मुस्लिम समुदाय के साथ खड़ी है। अजित पवार ने कहा कि भारत विविधता में एकता का प्रतीक है। हमें किसी भी अलगाववादी ताकतों के जाल में नहीं फंसना चाहिए। हमने अभी होली मनाई है। गुड़ी पड़वा और ईद आने वाली है। ये सभी त्यौहार हमें मिलजुल कर रहना सिखाते हैं। हम सबको इसे एक साथ मिलकर मनाना चाहिए। क्योंकि एकता ही हमारी असली ताकत है। मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि आपके भाई अजित पवार आपके साथ हैं।

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

ठाणे मनपा ने 100 संविदा कर्मचारियों को किया बर्खास्त

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

कोरोना काल में संविदा आधार पर नियुक्त 650 स्वास्थ्य कर्मचारियों में से 100 को नगर निगम ने बर्खास्त कर दिया है। यह कार्रवाई उन कर्मचारियों पर की गई जो सालभर से अनुपस्थित थे या ड्यूटी के दौरान अनुशासनहीनता कर रहे थे। ठाणे नगर निगम के उपायुक्त उमेश बिरारी ने इस खबर की पुष्टि की और कहा कि इससे अन्य कर्मचारियों पर अनुशासन का सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

अनुपस्थित और अनुशासनहीन कर्मचारियों पर गिरी गाज

नगर निगम प्रशासन को पता चला कि कुछ कर्मचारी मनमर्जी से ड्यूटी पर आते, डॉक्टरों और नर्सों से अभद्र व्यवहार करते, लंबी छुट्टियों पर चले जाते और 5 से 7 महीने बाद लौटते। ऐसे कर्मचारियों को चिन्हित कर अब तक 100 को नौकरी से निकाल दिया गया।

कोरोना काल में हुई थी संविदा नियुक्तियां

कोरोना महामारी के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं की कमी को पूरा करने के लिए डॉक्टरों, नर्सों और अन्य कर्मचारियों की संविदा नियुक्ति की गई थी। शुरुआत में इनका कार्यकाल 6 महीने का था, जिसे बाद में बढ़ा दिया गया। महामारी के बाद इन्हें हटाने पर राजनीतिक दलों ने विरोध किया, जिसके चलते नगर निगम ने इन्हें अपने 33 स्वास्थ्य केंद्रों, अस्पतालों और प्रसूति वार्डों में बहाल कर दिया।

कार्रवाई से कर्मचारियों में बढ़ी अनुशासनहीनता

उपायुक्त उमेश बिरारी ने कहा कि ईमानदारी से काम करने वाले कर्मचारियों को इससे प्रभावित नहीं होने देना चाहिए। उन्होंने बताया कि अनुशासनात्मक कार्रवाई से बाकी कर्मचारियों में भी काम के प्रति गंभीरता बढ़ी है और वे अब जिम्मेदारी से अपने कर्तव्य निभा रहे हैं।

प्रभात उद्यान प्रोजेक्ट में गड़बड़ी

प्रभारी नगर अभियंता तरुण सेवकानी निलंबित

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

प्रभात उद्यान में चल रहे विकास कार्य में अनियमितताओं को लेकर जांच समिति ने प्रभारी नगर अभियंता तरुण सेवकानी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। इसके बाद उल्हासनगर महानगरपालिका प्रशासन ने उन्हें सेवा से निलंबित कर दिया है। नगर निगम को वित्तीय नुकसान पहुंचाने और निर्माण कार्यों में लापरवाही बरतने के आरोप में यह कार्रवाई की गई है। सेवकानी ने पिछले 3 वर्षों में पूर्ण हुए कार्यों का भुगतान प्रस्तुत नहीं किया और अधूरे कार्यों को भी रद्द नहीं किया, जिससे निगम को नुकसान हुआ। उल्हासनगर महानगरपालिका आयुक्त मनीषा अव्हाले ने जब शहर के महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स का निरीक्षण किया, तब प्रभात पार्क के विकास कार्य में गड़बड़ियां सामने आईं। इस पर जांच समिति गठित की गई, जिसने 28 फरवरी को रिपोर्ट सौंपी। रिपोर्ट में गंभीर अनियमितताओं के प्रथम दृष्टया प्रमाण मिले। नगर पालिका प्रशासन ने कहा कि सेवकानी अपने कार्यों में लापरवाही बरतते पाए गए और सौंपे गए कार्यों की जिम्मेदारी निभाने में असमर्थ रहे। इसलिए विभागीय जांच के तहत उन्हें निलंबित करने का आदेश जारी किया गया।

बदलापुर में भाजपा कार्यालय की बिजली कटी

▶▶ नगर पालिका ने जब्ती नोटिस चिपकाया

डीबीडी संवाददाता | बदलापुर

केंद्र और महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को ठाणे जिले में फजीहत का सामना करना पड़ा है। बिजली बिल बकाया होने के कारण बदलापुर शहर के भाजपा कार्यालय की बिजली काट दी गई, वहीं नगर पालिका ने संपत्ति कर बकाया होने पर जब्ती का नोटिस भी चिपका दिया।

बिजली बिल और संपति कर बकाया
बिजली बिल: 4,910 बकाया
संपति कर: 51,415 बकाया

कई सालों से उपेक्षित पड़ा है भाजपा कार्यालय

बदलापुर शहर के गांधी चौक परिसर में स्थित यह कार्यालय अतिथि होटल बिल्डिंग की दूसरी मंजिल पर है। इसे 2010 में खरीदा गया था। इससे पहले भाजपा की बैठकें काटदरे मंगल कार्यालय में होती थीं।

जर्जर हो चुका है भाजपा कार्यालय

भाजपा कार्यालय की हालत बद से बदतर हो चुकी है। टाइल्स टूटी हुई हैं। दीवारों में दरारें पड़ गई हैं। नमी के कारण दीवारें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। भाजपा के पुराने कार्यकर्ताओं ने नाम न छापने की शर्त पर इस उपेक्षा पर नाराजगी जताई है।

महिला ने रिश्तेदार के साथ मिलकर व्यापारी के घर से 2.54 लाख चुराए

डोंबिवली। एक महिला ने अपने रिश्तेदार के साथ मिलकर एक व्यापारी के घर से 2.54 लाख चोरी कर लिए। यह घटना घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। चोरी का पता चलने पर किरायेदार, जो एक पेशेवर है, ने मनपाड़ा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। चोरी की घटना CCTV फुटेज में कैद होने के बाद व्यापारी को अपने ही महिला रिश्तेदार पर शक हुआ। इसके बाद उसने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। व्यापारी की शिकायत पर मनपाड़ा पुलिस ने आरोपी महिला के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है।

कांदिवली में 4 वर्षीय बच्चे का अपहरण और हत्या

मुंबई। कांदिवली इलाके में एक 4 वर्षीय बच्चे के अपहरण और बेरहमी से हत्या की घटना ने सभी को झकझोर दिया है। वारदात उस समय हुई जब बच्चा अपनी नानी के साथ फुटपाथ पर सो रहा था। रात करीब 2 बजे एक अज्ञात व्यक्ति साइकिल पर आया और बच्चे को अगवा कर ले गया। लगभग आधे घंटे बाद, संदिग्ध बच्चे का शव उसके नाना के घर से कुछ दूरी पर एक निर्माण स्थल के पास फेंककर फरार हो गया। प्रारंभिक मेडिकल रिपोर्ट के अनुसार, बच्चे की मौत डूबने से हुई। पुलिस को शक है कि आरोपी ने जानबूझकर उसे पानी में डुबोकर मारा। मृतक बच्चा कांदिवली पूर्व में अपने माता-पिता के साथ रहता था और घटना से एक दिन पहले कांदिवली पश्चिम के ईरानीवाड़ी में अपनी नानी के घर आया था।पुलिस ने आरोपी की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज की जांच शुरू कर दी है और जल्द ही गिरफ्तारी का दावा किया है। मामले की गहन छानबीन जारी है।

मुंबई विश्वविद्यालय बजट सत्र में हंगामा

मुंबई। मुंबई विश्वविद्यालय के फोर्ट कैंपस में शनिवार को आयोजित बजट सत्र के दौरान युवा सेना (शिवसेना-यूबीटी) और बॉम्बे यूनिवर्सिटी एंड कॉलेज टीचर्स यूनियन (BUCTU) के सीनेट सदस्यों ने करीब आधे घंटे तक कार्यवाही बाधित की। बजट सत्र शुरू होने से पहले विरोधी सदस्यों ने सांकेतिक वॉकआउट किया और सदन के वेल में धरना दिया। उनकी आपत्ति थी किः बजट को प्रबंधन परिषद में प्रस्तुत नहीं किया गया। बजट को मंजूरी नहीं मिली थी। 12 मार्च की बैठक के एजेंडे में बजट शामिल नहीं था। हंगामे के बीच 968.17 करोड़ रुपये का बजट पारित
विरोध के बावजूद, विश्वविद्यालय प्रशासन ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 968.17 करोड़ रुपये का बजट बहुमत से पारित कर दिया। यह बजट पिछले वित्तीय वर्ष के 884 करोड़ रुपये से 9.52% अधिक है।

पानी की टंकी में गिरने से सफाई कर्मचारी की मौत

▶▶ सुरक्षा लापरवाही आई सामने

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

ठाणे में शनिवार को एक दर्दनाक हादसा हुआ, जहां 22 वर्षीय सफाई कर्मचारी अनमोल भोये की पानी की टंकी में गिरने से मौत हो गई। यह घटना घोड़बंदर रोड स्थित एक 10-मंजिला हाउसिंग सोसाइटी में हुई, जहां भोये टंकी की सफाई कर रहे थे।

कैसे हुआ हादसा?

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, भोये सफाई के दौरान संतुलन खो बैठे और भरी हुई पानी की टंकी में जा गिरे। उनका एक साथी मौके पर मौजूद था, जिसने तुरंत शोर मचाकर मदद की गुहार लगाई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और पुलिस मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया गया। भोये को टंकी से निकालकर अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सुरक्षा उपकरणों की कमी बनी हादसे की वजह

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि सफाई के दौरान कोई सुरक्षा उपकरण इस्तेमाल नहीं किए गए थे, जिससे यह हादसा हुआ। हालांकि, अब तक इस मामले में कोई केस दर्ज नहीं किया गया है, लेकिन स्थानीय प्रशासन और पुलिस जांच में जुटी है।

सुरक्षा उपायों की अनदेखी पर उठे सवाल

इस हादसे ने एक बार फिर सफाई कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रशासन को चाहिए कि इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए सुरक्षा मानकों को अनिवार्य किया जाए ताकि भविष्य में ऐसे हादसों से बचा जा सके।

सांसद नरेश म्हस्के ने की संजय राउत की जांच की मांग

▶▶ स्वप्ना पाटकर को न्याय दिलाने की अपील

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

शिवसेना (शिंदे गुट) के सांसद नरेश म्हस्के ने शनिवार को ठाणे में एक संवाददाता सम्मेलन में संजय राउत पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता संजय राउत ने स्वप्ना पाटकर को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया है और सरकार को तुरंत उनकी जांच कर स्वप्ना पाटकर को न्याय दिलाना चाहिए।

स्वप्ना पाटकर को न्याय दिलाने के लिए मुख्यमंत्री को सौंपा जाएगा ज्ञापन

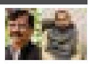

सांसद म्हस्के ने कहा कि शिवसेना महिला गठबंधन जल्द ही मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री अजीत पवार को ज्ञापन सौंपेगा। उन्होंने सवाल उठाया कि शिकायत दर्ज होने के 9 साल और एफआईआर होने के 3 साल बाद भी राउत पर कोई कार्रवाई क्यों नहीं हुई?

निर्ममता की हद

इंजीनियर ने रेता नाबालिग बेटे का गला

▶▶ पत्नी पर था बेवफाई का शक
▶▶ नशे की हालत में गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता | पुणे

पुणे में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां एक इंजीनियर ने अपनी पत्नी पर बेवफाई के शक के चलते अपने 3 साल के बेटे का गला रेत दिया और शव को जंगल में फेंक दिया। ये वारदात चंदन नगर इलाके में घटी, वहीं इस वारदात के बाद आरोपी को एक लॉज में नशे की हालत में पाया गया। जानकारी के मुताबिक, मृत बच्चा हिम्मत माधव टिकेती इंजीनियर माधव टिकेती और उनकी पत्नी स्वरूपा का इकलौता बेटा थे। ये परिवार मूल रूप से आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम का रहने वाला है।

झगड़े के बाद घर से बेटे को लेकर निकला था माधव

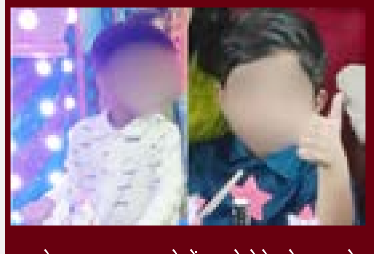

पुलिस के मुताबिक, माधव को स्वरूपा पर बेवफाई का शक था। गुरुवार की दोपहर में दंपति के बीच झगड़ा हुआ। इसके बाद माधव गुस्से में अपने बेटे को साथ लेकर घर से निकल गया। दिन भर वो बार में बैठा रहा और दोपहर करीब 12:30 बजे वहां से निकल गया। इसके बाद वह एक सुपरमार्केट गया और बाद में चंदन नगर के पास एक जंगल में चला गया। वहीं कई घंटे बीतने के बाद पति से कोई संपर्क ने होने पर पत्नी ने देर रात चंदन नगर पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसका पति और बेटा लापता हैं।

इंजीनियर के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज

इस मामले में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि, 'कल रात बच्चे की मां पुलिस स्टेशन आई और अपने बेटे की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। जांच के दौरान पता चला कि बच्चे का पिता एक लॉज में नशे में था। हमने उसे हिरासत में लिया और गिरफ्तार कर लिया। आगे की पूछताछ में उसने अपने बेटे की हत्या की बात कबूल कर ली। आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है और आगे की जांच चल रही है। अपराध के अनुसार हत्या का मामला दर्ज किया गया है।

लॉज में नशे की धुत में मिला इंजीनियर माधव

वहीं इस शिकायत के बाद पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाली, जिसमें माधव को आखिरी बार गुरुवार दोपहर 2:30 बजे अपने बेटे के साथ देखा गया था, लेकिन शाम पांच बजे की फुटेज में वह अकेले कपड़े खरीदते हुए दिखाई दिया। इसके बाद माधव के मोबाइल फोन की लोकेशन ट्रैक करते हुए, पुलिस उसे एक लॉज में खोज निकाला, जहां वह नशे में दिखाई दिया। होश में आने के बाद, माधव ने अपने बेटे की हत्या की बात कबूल कर ली। पुलिस ने घटनास्थल को पास के एक जंगल में पाया, जहां उन्हें लड़के का गला कटा हुआ शव मिला।

विरार से अपहरण हुई नाबालिग छात्रा को आरपीएफ ने बचाया

डीबीडी संवाददाता | विरार

बोलिंज पुलिस ने तीन घंटे के भीतर एक अपहृत नाबालिग लड़की को खोजने में सफलता प्राप्त की। 18 मार्च 2025 को सुबह 7 बजे स्कूल गई 14 वर्षीय छात्रा जब शाम तक घर नहीं लौटी, तो परिजनों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। लड़की के चाचा को ‟मेरी मदद करो, अपहरण कर लिया गया है" जैसे संदेश मिलने के बाद मामला गंभीर हो गया।

अहमदाबाद रेलवे स्टेशन पर मिली लड़की

18 मार्च की रात 8:30 बजे, अहमदाबाद रेलवे आरपीएफ ने लड़की को सूर्यनगरी एक्सप्रेस से सुरक्षित हिरासत में ले लिया। इस तरह, पुलिस ने महज तीन घंटे में अपहरण कांड सुलझा लिया।

तेजी से हुई पुलिस कार्रवाई

डीसीपी (जोन 3) जयंत बजबले और एसीपी विजय लगारे के मार्गदर्शन में बोलिंज पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक प्रकाश कावले, क्राइम पुलिस निरीक्षक प्रकाश सावंत, एपीआई वैभव जगताप और रूपेश दलवी की टीम ने त्वरित कार्रवाई की। तकनीकी विश्लेषण के आधार पर पुलिस को पता चला कि लड़की मुंबई से जोधपुर जा रही सूर्यनगरी एक्सप्रेस (12480) में थी। ट्रेन सूरत से बड़ौदा की ओर बढ़ रही थी, जिसके बाद भरूच, बड़ौदा और अहमदाबाद रेलवे पुलिस को अलर्ट कर दिया गया।

आभूषण, नकदी और बाइक पर चोरों का हाथ साफ

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

शहर में चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, जिससे नागरिकों में भय का माहौल है। स्थानीय नागांव इलाके में अज्ञात चोरों ने एक घर में सेंध लगाकर 1.33 लाख रुपये के आभूषण, नकदी और मोबाइल चोरी कर लिए, वहीं घर के नीचे पार्क की गई बाइक भी चोर ले उड़े।

पहली वारदात: घर में सेंधमारी

पुलिस के मुताबिक, नागांव इलाके के हनुमान मंदिर के पास स्थित नारायण निवास में रहने वाले मटन व्यापारी मगन नारायण गोराडकर के घर में 20 मार्च की रात 2 से 5 बजे के बीच अज्ञात चोरों ने धावा बोला। बेडरूम की आलमारी से सोने के आभूषण, नकदी और 4 मोबाइल चोरी कर चोर फरार हो गए। चोरी गई संपत्ति की कुल कीमत 1.33 लाख रुपये आंकी गई। शांतिनगर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

दूसरी वारदात: बाइक चोरी

इसी तरह रावजी नगर इलाके में आफाक हुसैन शेख की बाइक (MH 04 KM 5966) को अज्ञात चोरों ने रात में चोरी कर लिया। बाइक चोरी की शिकायत शांतिनगर पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई है।

ऑनलाइन शेयर ट्रेडिंग में निवेश का लालच देकर धोखाधड़ी

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

महाराष्ट्र के ठाणे जिले में ऑनलाइन शेयर ट्रेडिंग में निवेश का लालच देकर साइबर जालसाजों ने 53 वर्षीय व्यक्ति से 67.65 लाख रुपये ठग लिए। पुलिस ने इस मामले में आईटी अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली है और तीन संदिग्धों की पहचान कर ली गई है। दिसंबर 2024 में पीड़ित से संपर्क कर उसे ज्यादा रिटर्न का वादा किया गया। एक ट्रेडिंग एप्लिकेशन डाउनलोड करने को कहा गया और विभिन्न बैंक खातों में पैसे ट्रांसफर करने का निर्देश दिया गया। जनवरी 2025 तक व्यक्ति ने कई ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के जरिए 67.65 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। जब व्यक्ति ने मुनाफा या मूल राशि निकालने की कोशिश की, तो जालसाजों ने संपर्क बंद कर दिया। पुलिस के अनुसार, साइबर धोखाधड़ी में शामिल तीन लोगों की पहचान उनके मोबाइल नंबरों और बैंक लेनदेन के जरिए की गई है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं और जल्द ही उन्हें पकड़ा जाएगा।

ठाणे में मनपा की बड़ी कार्रवाई

गोल्डन स्वान क्लब में अनधिकृत निर्माण तोड़ा

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

मनपा अतिक्रमण विभाग ने वर्तक नगर प्रभाग समिति के अंतर्गत येऊर हिल्स परिसर में स्थित गोल्डन स्वान क्लब पर अनधिकृत निर्माण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। क्लब का नाम बदलकर 'लेवल अप' होटल के रूप में संचालित किया जा रहा था, जहां 40×50 वर्गफीट का अवैध शेड निर्माण किया गया था।

मनपा आयुक्त के निर्देश पर हुई कार्रवाई

शनिवार को हुई इस कार्रवाई में करीब 3800 वर्ग फुट में फैले लोहे के आईबीएम और एंगल्स के निर्माण, 11993 वर्ग फीट के क्रिकेट टर्फ और 1300 वर्ग फीट के पात्रा शेड को तोड़ा गया। यह कार्रवाई आयुक्त सौरभ राव, उपायुक्त (अतिक्रमण) शंकर पटोले, उपायुक्त (मुख्यालय) जी.जी. गोदेपुरे की देखरेख में सहायक आयुक्त वर्तक नगर समिति, तनुजा रणदिवे सहायक आयुक्त लोकमान्य समिति, सहायक आयुक्त भालचंद्र घुगे और सहायक आयुक्त नौपाड़ा समिति सोपान भाईक उपस्थित थे।

एक जेसीबी, एक पोकलेन और दो गैस कटर की मदद से तोड़फोड़

इस कार्रवाई में लगभग 3800 वर्ग फुट के आयरन आईबीएम और एंगल्स का निर्माण और आयरन आईबीएम और आयरन एंगल्स के लगभग 11993 वर्ग फीट के क्रिकेट टर्फ का निर्माण और आयरन एंगल्स और बीम्स के साथ लगभग 1300 वर्ग फीट के पात्रा शेड का निर्माण पर तोड़क कार्रवाई हुई। इस कार्रवाई में अतिक्रमण विभाग कर्मचारी, महाराष्ट्र सुरक्षा बल के जवान, स्थानीय पुलिस,मनपा के सरकारी ठेकेदार के कर्मचारी, एक जेसीबी, एक पोकलेन, दो गैस कटर की मदद से अनाधिकृत निर्माण पर तोड़फोड़ की कार्रवाई की गई।

तीन चाइनीज कार्नर मालिकों के खिलाफ मामला दर्ज

डीबीडी संवाददाता | डोंबिवली

मानपाड़ा रोड पर स्थित मातोश्री चाइनीज ढाबा, कोलेगांव में मां एकवीरा ढाबा और खोनी तलोजा रोड पर चाइना गार्डन चाइनीज कॉर्नर के मालिकों के खिलाफ बिना लाइसेंस शराब परोसने के आरोप में मानपाड़ा पुलिस ने मामला दर्ज किया है। ये तीनों ढाबे अपने स्वादिष्ट चीनी भोजन और शराब के लिए दिन-रात ग्राहकों के बीच लोकप्रिय हैं। डोंबिवली, कल्याण, शिलफाटा, पलावा, बदलापुर और मलंगगढ़ से ग्राहक आराम और मनोरंजन के लिए यहां आते थे। मानपाड़ा पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विजय कदबाने को शिकायतें मिल रही थीं कि मातोश्री, मां एकवीरा और चाइना गार्डन ढाबे पर बिना शराब लाइसेंस के ग्राहकों को अवैध रूप से शराब बेची जा रही है। शिकायतों के आधार पर पुलिस ने इन ढाबों के खिलाफ मामला दर्ज किया और आगे की जांच जारी है। पुलिस की इस कार्रवाई से अवैध शराब बिक्री में शामिल अन्य ढाबा मालिकों में हड़कंप मच गया है।

ठाणे में ट्रैफिक सिग्नलों पर जालीदार पर्दे की पहल

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

भीषण गर्मी में वाहन चालकों को तेज धूप से राहत दिलाने के लिए मनपा ने एक अनोखी पहल की है। ट्रैफिक सिग्नलों पर रुकने के दौरान धूप से बचाव के लिए जालीदार पर्दे (शेड) लगाए गए हैं।

गोखले रोड पर लगाया गया शेड

मनपा आयुक्त सौरभ राव के निर्देशानुसार गोखले रोड से तीनहात नाका तक जालीदार शेड लगाया गया। यह 100 फुट लंबा, 25 फुट चौड़ा और 20 फुट ऊंचा है। इससे वाहन चालकों और यात्रियों को तपती धूप से बड़ी राहत मिलेगी। यह प्रायोगिक रूप से शुरू किया गया प्रोजेक्ट है। अगर यह सफल रहता है, तो अन्य भीड़भाड़ वाले इलाकों में भी इसे लागू किया जा सकता है।

मुंबई में एमबीए एडमिशन घोटाला

दिल्ली से चार आरोपी गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई क्राइम ब्रांच ने महाराष्ट्र कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (MHCET) के उम्मीदवारों को निशाना बनाकर किए गए MBA एडमिशन घोटाले में दिल्ली से चार लोगों को गिरफ्तार किया है। रिपोर्ट के अनुसार, यह गिरोह उम्मीदवारों के परीक्षा स्कोर अवैध रूप से बढ़ाने का वादा कर उन्हें गुमराह कर रहा था। आरोपियों ने पंजीकृत उम्मीदवारों का डेटा चुरा लिया और उनसे संपर्क कर यह दावा किया कि वे परीक्षा प्रणाली में हेरफेर कर प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश दिला सकते हैं। इसके बदले में 11 से 20 लाख रुपये तक की मांग की जा रही थी। यह घोटाला तब सामने आया जब उम्मीदवारों ने अनचाही कॉल्स की रिपोर्ट की, जिसमें बढ़े हुए अंकों का वादा किया गया था। 21 मार्च को शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की और आरोपियों को दक्षिणी दिल्ली के महरौली से गिरफ्तार कर लिया। जांच के दौरान पुलिस ने घोटाले से जुड़े पांच मोबाइल फोन, एक मैकबुक, ब्लूटूथ हेडफोन और एक पेन ड्राइव सहित कई डिजिटल साक्ष्य जब्त किए हैं।

हत्या कर फरार अपराधी 17 साल बाद गिरफ्तार

सौतेली मां, दो बहनों-भाई सहित वसई में मित्र की हत्या के मामले में था वांछित

दोपहर संवाददाता | विरार

क्राइम ब्रांच परिमंडल-2 ने एक ऐसे शातिर अपराधी को गिरफ्तार किया है, जिसने 2002 में पश्चिम बंगाल में अपनी सौतेली मां, दो बहनों और मासूम भाई की हत्या के अलावा 2008 में वसई में अपने साथी की हत्या कर फरार हो गया था।

नौकरी के जाल में फंसाया, कर्नाटक से गिरफ्तार

क्राइम ब्रांच ने कर्नाटक पुलिस की मदद से उसे प्लंबर की नौकरी दिलाने का बहाना बनाया और पकड़ लिया। यह कार्रवाई डीसीपी अविनाश अंबुरे, एसीपी मदन बल्लाल के मार्गदर्शन में सीनियर पीआई समीर आहिरराव, एपीआई सोपान पाटील और उनकी टीम ने की।

2008 में वसई में साथी की हत्या कर फरार हुआ था

वसई-पूर्व वालीव में रहने वाला मनोज राजबिहारी साह (25) और राजू उर्फ अक्षय विजय शुक्ला (40) एक ही कंपनी में काम करते थे। 27 मार्च, 2008 की रात दीवार को लेकर हुए विवाद में राजू ने रस्सी से मनोज का गला घोंट दिया और सूरत भाग गया।

पुराने हत्याकांडों का भी खुलासा

चार साल सूरत में रहने के बाद वह कर्नाटक भाग गया। हाल ही में क्राइम ब्रांच को सूचना मिली कि वह बिहार के छपरा स्थित अपने गांव खलपुरा बाला में है। जब पुलिस वहां पहुंची, तो पता चला कि वह बेंगलुरु में प्लंबर का काम कर रहा है। इसके बाद पुलिस ने जाल बिछाकर उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पकड़े जाने पर खुलासा हुआ कि उसने 2002 में पश्चिम बंगाल में अपनी सौतेली मां, दो बहनों और एक मासूम भाई की हत्या की थी। अब पुलिस उससे और मामलों की जांच कर रही है।

जोगेश्वरी में दंगा नियंत्रण अभ्यास

पुलिस ने दिखाई तत्परता

संदीप कसालकर | मुंबई

जोगेश्वरी पूर्व के श्रमिक विद्यालय मैदान में मेघवाड़ी पुलिस और राज्य रिजर्व पुलिस बल (SRPF) के संयुक्त तत्वावधान में दंगा नियंत्रण योजना का अभ्यास किया गया। इस अभ्यास का उद्देश्य भविष्य में किसी भी दंगा, कर्फ्यू या आपातकालीन स्थिति में पुलिस की त्वरित और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करना था।

वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में अभ्यास

परिमंडल 10 के पुलिस उपायुक्त सचिन गुंजाल के निर्देशानुसार, सहायक पुलिस आयुक्त संपतराव पाटिल और वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संभाजी जाधव के मार्गदर्शन में यह अभ्यास संपन्न हुआ। इस दौरान भीड़ नियंत्रण और खतरनाक स्थितियों से निपटने के लिए विशेष तकनीकों का उपयोग किया गया। भीड़ नियंत्रण के विभिन्न तरीकों का प्रदर्शन किया गया। टीम की तैनाती और आपातकालीन स्थितियों से निपटने की रणनीति पर जोर दिया गया।

पुलिस बल पूरी तरह तैयार

इस अभ्यास में बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी और जवान शामिल हुए। इसका उद्देश्य नागरिकों को यह संदेश देना था कि मुंबई पुलिस किसी भी अप्रिय घटना को रोकने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरी तरह तैयार है।

सुशांत सिंह राजपूत केस

रिया चक्रवर्ती को क्लीन चिट

सीबीआई ने दाखिल की क्लोजर रिपोर्ट

दोपहर संवाददाता | मुंबई

सीबीआई ने सुशांत सिंह राजपूत मामले में शनिवार को मुंबई कोर्ट में अपनी क्लोजर रिपोर्ट दाखिल कर दी। रिपोर्ट में रिया चक्रवर्ती और उनके परिवार को क्लीन चिट दी गई है। सुशांत के पिता द्वारा रिया पर लगाए गए आरोपों और रिया द्वारा सुशांत के परिवार पर लगाए गए आरोपों पर भी सीबीआई ने जांच के बाद मामला बंद करने की सिफारिश की है।

चार साल की जांच के बाद कोर्ट में सौंपी गई रिपोर्ट

सूत्रों के अनुसार, सीबीआई को कोई ऐसा सबूत नहीं मिला, जिससे यह साबित हो सके कि किसी ने सुशांत को आत्महत्या के लिए उकसाया था। इसके बाद मुंबई कोर्ट ने रिया और उनके परिवार को क्लीन चिट दे दी। हालांकि, सुशांत के परिवार के पास प्रोटेस्ट पिटीशन दाखिल करने का विकल्प मौजूद है।

एम्स की फॉरेंसिक रिपोर्ट में नहीं मिला फाउल प्ले

सीबीआई ने एम्स की फॉरेंसिक टीम की सहायता से सुशांत की आत्महत्या और फाउल प्ले की संभावना की जांच की थी। एम्स की रिपोर्ट में किसी भी तरह के फाउल प्ले की संभावना से इनकार किया गया।

सोशल मीडिया चैट्स की जांच में भी नहीं मिली गड़बड़ी

सीबीआई ने सोशल मीडिया चैट्स की जांच MLAT के जरिए अमेरिका से करवाई थी, जिसमें यह स्पष्ट हुआ कि चैट्स में किसी भी तरह की छेड़छाड़ नहीं की गई थी। गौरतलब है कि रिया चक्रवर्ती, जो सुशांत की पूर्व गर्लफ्रेंड थीं, पहले ही गृह मंत्री अमित शाह से इस मामले की निष्पक्ष जांच की मांग कर चुकी थीं।

मुंबई मनपा की अनोखी पहल

अतिक्रमण हटाकर लगाए 200 से अधिक पौधे

दोपहर संवाददाता | मुंबई

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में बढ़ते शहरीकरण और जनसंख्या के कारण प्रदूषण की समस्या गंभीर होती जा रही है। इसी के समाधान के लिए मुंबई महानगरपालिका (BMC) ने एक अनोखी पहल की है। प्रभादेवी में अतिक्रमण से मुक्त कराई गई जमीन पर 200 से अधिक पौधे रोपे गए हैं, जिससे शहर की हरियाली बढ़ने के साथ पर्यावरण संतुलन में भी मदद मिल रही है।

प्रदूषण और शहरीकरण की चुनौती

- मुंबई में विभिन्न बड़ी परियोजनाओं के कारण बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई हुई है, जिससे वायु प्रदूषण की समस्या बढ़ रही है। ग्लोबल वार्मिंग के असर और मौसम में आए बदलाव के बीच वृक्ष संरक्षण एक महत्वपूर्ण मुद्दा बन गया है। इसे ध्यान में रखते हुए बीएमसी ने अतिक्रमण मुक्त कराए गए स्थानों पर बागवानी करने का फैसला लिया।

एरेका पाम से प्रदूषण होगा कम

बीएमसी अधिकारियों के अनुसार एरेका पाम वायु प्रदूषण को अवशोषित करता है और तितलियों को आकर्षित करता है, जिससे प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूती मिलती है। इस पहल से न केवल हरियाली बढ़ेगी बल्कि पर्यावरण भी संरक्षित रहेगा।

स्थानीय लोगों और पर्यावरणविदों की सराहना

मुंबई मनपा का यह प्रयास स्थानीय निवासियों और पर्यावरणविदों को बेहद पसंद आ रहा है। इस तरह की योजनाओं से शहर में हरे-भरे स्थानों की संख्या बढ़ेगी और प्रदूषण नियंत्रण में मदद मिलेगी।

प्रभादेवी में अनोखी पहल

मनपा के 'जी दक्षिण' विभाग के अधिकारियों के मुताबिक प्रभादेवी के एस. एल. मटकर मार्ग पर अतिक्रमण के कारण राहगीरों को परेशानी हो रही थी। जनवरी में 39 अनधिकृत निर्माणों को हटाकर जमीन खाली कराई गई। इसके बाद सड़क चौड़ीकरण के साथ 2 मीटर चौड़ा कंक्रीट वॉकवे बनाया गया। खाली स्थान पर 200 से अधिक पर्यावरण-अनुकूल और सजावटी पौधे लगाए गए। वृक्षारोपण में सुपारी, एरेका पाम, ड्रैकेना, मुसांडा, पेडिलैंथस, टैबरनामोंटाना, एकैलिफा और लैंटाना जैसे पौधे शामिल किए गए।

धन शोधन मामला

ईडी ने सिद्धार्थ और अभय चोकसी के खिलाफ आरोपपत्र किया दाखिल

दोपहर संवाददाता | मुंबई

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सिद्धार्थ अभय चोकसी और अभय सज्जनलाल चोकसी के खिलाफ विशेष अदालत में आरोपपत्र दायर किया है। यह कार्रवाई आयकर विभाग द्वारा काले धन की जांच के आधार पर की गई। ईडी ने शनिवार को बताया कि अदालत ने 19 मार्च को आरोपपत्र पर संज्ञान लिया था।

विदेशी आय और संपत्ति छुपाने का आरोप

आयकर विभाग सिद्धार्थ और अभय चोकसी के खिलाफ काला धन (अघोषित विदेशी आय और संपत्ति) और कराधान अधिनियम, 2015 के तहत जांच कर रहा था। जांच में पाया गया कि दोनों ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड्स में पंजीकृत ₹ब्लू मिस्ट इंटरनेशनल₹ कंपनी के लाभकारी मालिक हैं। इस कंपनी के जरिए सिंगापुर स्थित एक बैंक खाते को नियंत्रित किया गया। ब्लू मिस्ट इंटरनेशनल के जरिए सिंगापुर में संपत्ति खरीदने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

8.9 करोड़ रुपये की अघोषित संपत्ति का गबन

ईडी की जांच में सिद्धार्थ और अभय चोकसी द्वारा कुल 8.9 करोड़ रुपये की अघोषित विदेशी संपत्ति और आय छुपाने की बात सामने आई। ईडी ने इसे अपराध की कमाई करार दिया। इससे पहले, 1 जनवरी 2025 को ईडी ने इस मामले में 8.09 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की थी। अब आरोपपत्र दाखिल कर कानूनी प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा रहा है।

ठाकरे गुट में शामिल हुए सागर देवरे

धारावी पुनर्विकास परियोजना का किया था विरोध

दोपहर संवाददाता | मुंबई

धारावी पुनर्विकास परियोजना में बड़े पैमाने पर भूमि आवंटन का विरोध करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता और एडवोकेट सागर देवरे अब शिवसेना (ठाकरे गुट) में शामिल हो गए हैं। शनिवार को वे मातोश्री पहुंचे और पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे की उपस्थिति में शिव बंधन बांधकर पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान विधायक आदित्य ठाकरे, पूर्व विधायक रमेश कोरगांवकर और पूर्व सांसद विनायक राउत भी मौजूद थे।

मुलुंड और भांडुप में पुनर्विकास का किया था विरोध

मुंबई नगर निगम ने मुलुंड और भांडुप में 10,000 घर बनाने का निर्णय लिया था, जिसका देवरे ने विरोध किया। उन्होंने मुलुंड में इस परियोजना के खिलाफ बड़े स्तर पर जन आंदोलन भी चलाया। देवरे ने कुछ भाजपा नेताओं को चुनौती देते हुए यह खुलासा किया था कि मुलुंड में मकान बनाए जा रहे हैं, जबकि लोकसभा चुनाव से पहले इसका विरोध किया गया था। देवरे ने सूचना के अधिकार (RTI) के तहत धारावी पुनर्विकास परियोजना में दी गई भूमि का खुलासा किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि धारावी परियोजना के नाम पर मुंबई की जमीन एक उद्योगपति को सौंपी जा रही है। अब शिवसेना (ठाकरे) के मंच से इस लड़ाई को और तेज करने का ऐलान किया है।

विला बुकिंग के नाम पर ठगी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

दोपहर संवाददाता | मुंबई

ओशिवरा पुलिस ने लोनावला और कर्जत में विला बुकिंग के नाम पर ऑनलाइन ठगी करने वाले मुख्य आरोपी को पुणे से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान आकाश रूपकुमार जाधवानी के रूप में हुई है। अंधेरी पश्चिम के निवासी यमन सुरेश चटवाल ने ओशिवरा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने wellrich_stays नामक इंस्टाग्राम पेज से संपर्क कर 85,000 रुपये के पैकेज की बुकिंग के लिए 42,500 रुपये एडवांस में भुगतान किया। लेकिन जब बुकिंग रद्द हुई, तो रिफंड नहीं मिला, जिससे उन्हें ठगी का एहसास हुआ।

तकनीकी विश्लेषण से पकड़ा गया आरोपी

ओशिवरा पुलिस की साइबर टीम ने तकनीकी विश्लेषण के आधार पर आरोपी की लोकेशन पुणे के खराड़ी इलाके में ट्रेस की। इसके बाद पुलिस उपनिरीक्षक शरद देवरे, सहायक फौजदार अशोक कोंडे और पुलिस सिपाही विक्रम सरनोबत ने वाघोली पुलिस की मदद से आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी के पास से सैमसंग कंपनी का मोबाइल, एयरटेल कंपनी के दो सिम कार्ड, एक्सिस बैंक और यस बैंक के डेबिट कार्ड, आधार कार्ड और पैन कार्ड जब्त किए हैं।

पहले भी दर्ज हैं कई मामले

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी के खिलाफ पहले से ही ओशिवरा, मलाबार हिल, विलेपार्ले और एल.टी. मार्ग पुलिस थानों में मामले दर्ज हैं। इस कार्रवाई में वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक मोहन पाटील, अपराध शाखा प्रमुख विजय माडये, जांच अधिकारी प्रभात मानकर, साइबर टीम के पुलिस उपनिरीक्षक शरद देवरे, सहायक फौजदार अशोक कोंडे, पुलिस सिपाही विक्रम सरनोबत और तकनीकी सहायक स्वप्निल काकड़े ने अहम भूमिका निभाई।

पश्चिम रेलवे

ईएमयू कारशेड विरार में स्वचालित ट्रेन वाशिंग प्लांट की एएमसी

मंडल रेल प्रबंधक (रोलिंग स्टॉक) ईएमयू कारशेड विरार, मुंबई सेंट्रल डिवीजन, पश्चिमी रेलवे, मुंबई-401 303. **ई-टेंडर सूचना संख्या: DRM-RS-2024-25-07-VR.** आमंत्रित करते हैं। **कार्य का नाम:** ईएमयू कारशेड विरार में स्वचालित ट्रेन वाशिंग प्लांट की एएमसी तीन (03) वर्षों की अवधि के लिए। **कार्य की अनुमानित लागत:** 23,44,089.90. (सभी शामिल)। **ईएमडी:** 46,900/-. **जमा करने की तिथि और समय:** निर्धारित तरीके से 21.04.2025 को 15:00 बजे से पहले नहीं। **खोलने की तिथि और समय:** 21.04.2025 को 15:30 बजे. **वेबसाइट विवरण:** निविदा को वेबसाइट www.ireps.gov.in के माध्यम से देखा और प्रस्तुत किया जा सकता है। 1204

लाइक करें: facebook.com/WesternRly

अजित पवार को पार्टी मनाएगी 'महाराष्ट्र महोत्सव'

दोपहर संवाददाता | मुंबई

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की राज्य इकाई के प्रमुख सुनील तटकरे ने शनिवार को कहा कि पार्टी एक मई को राज्य के गठन की 65 वीं वर्षगांठ के अवसर पर 'महाराष्ट्र महोत्सव' आयोजित करेगी। सुनील तटकरे ने शुक्रवार को प्रदेश कार्यालय में पार्टी के विभिन्न फ्रंटल एवं प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्षों की बैठक ली। तटकरे ने पार्टी के विभिन्न प्रकोष्ठों की बैठक में समारोह के हिस्से के रूप में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि युवाओं को महाराष्ट्र के गौरवशाली इतिहास से परिचित कराने के उद्देश्य से 1 मई से 3 मई के बीच मुंबई में विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक, कलात्मक, खेल और साहित्यिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अजित पवार की पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे ने कहा कि अगले 15 दिनों में नागपुर, छत्रपति संभाजीनगर, नासिक, पुणे और अमरावती जैसे

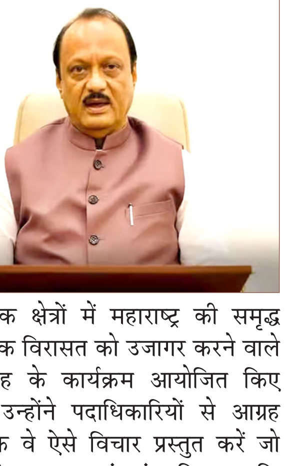

प्रशासनिक क्षेत्रों में महाराष्ट्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को उजागर करने वाले इसी तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने पदाधिकारियों से आग्रह किया कि वे ऐसे विचार प्रस्तुत करें जो राज्य की पहचान एवं सांस्कृतिक समृद्धि को उजागर करें तथा 'महाराष्ट्र महोत्सव' को राज्यव्यापी पार्टी समारोह के रूप में मनाएं। उन्होंने कहा कि एक मई को राज्य का स्थापना दिवस मुंबई सहित राज्य के सभी छह संभागों में भव्यता के साथ मनाया जाएगा।

स्वराज्य सप्ताह और शास्त्रीय मराठी भाषा दिवस का आयोजन किया

उन्होंने कहा कि उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व में एनसीपी "20 प्रतिशत राजनीति और 80 प्रतिशत समाज सेवा" के विजन के साथ आगे बढ़ रही है। पार्टी ने इससे पहले 19 फरवरी को छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती के उपलक्ष्य में 'स्वराज्य सप्ताह' और 27 फरवरी को 'शास्त्रीय मराठी भाषा दिवस' का आयोजन किया था।

बैठक में ये रहे मौजूद

इस बैठक में विधान परिषद विधायक शिवाजीराव गर्जे इद्रिस नायकवाडी, प्रदेश उपाध्यक्ष भास्कर विचारे मुंबई कार्याध्यक्ष शिवाजीराव नलावडे मुंबई कार्याध्यक्ष सिद्धार्थ कांबळे, एनसीपी के मुख्य प्रवक्ता आनंद परांजपे प्रदेश प्रवक्ता संजय तटकरे प्रदेश सचिव लतिफ तांबोली युवा प्रदेश अध्यक्ष सुरज चव्हाण व अन्य मौजूद थे।

शरद पवार और अजीत की मुलाकात

शिवसेना (यूबीटी) ने जताई नाराजगी

दोपहर संवाददाता | मुंबई

एनसीपी (एसपी) अध्यक्ष शरद पवार और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की शनिवार को पुणे में मुलाकात को लेकर शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि शिवसेना (यूबीटी) उन लोगों से कोई संपर्क नहीं रखती जो पार्टी छोड़कर चले गए।

क्या थी बैठक की वजह?

यह बैठक वसंतदादा शुगर इंस्टीट्यूट की गवर्निंग काउंसिल का हिस्सा थी, जिसमें चीनी उद्योग और किसानों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में शरद पवार, जयंत पाटिल, अजीत पवार और दिलीप वाल्से पाटिल शामिल थे। हालांकि, जयंत पाटिल के अजीत पवार गुट में शामिल होने की अटकलें लंबे समय से लगाई जा रही हैं, लेकिन उन्होंने इन अफवाहों को खारिज कर दिया है।

राजनीतिक लड़ाई जारी रहेगी

- संजय राउत ने कहा कि शिवसेना छोड़ने वालों के साथ कोई संवाद नहीं किया जाता और वे उनसे राजनीतिक लड़ाई जारी रखेंगे। उन्होंने अजीत पवार गुट पर महाराष्ट्र को धोखा देने का आरोप लगाया। इससे पहले भी राउत ने शरद पवार द्वारा एकनाथ शिंदे को सम्मानित करने पर नाराजगी जताई थी।

एनसीपी (एसपी) नेताओं की सफाई

- एनसीपी (एसपी) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने कहा कि यह एक अकादमिक बैठक थी, जिसमें राजनीति पर कोई चर्चा नहीं हुई। वहीं, एनसीपी नेता अमोल मटाले ने संजय राउत पर तंज कसते हुए कहा कि उन्हें दूसरों की आलोचना करने के बजाय अपने घर की स्थिति पर ध्यान देना चाहिए।

मध्य रेल
सोलापुर मंडल
ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से डी.आर.एम. (एस एंड टी) कार्यालय, मध्य रेलवे, सोलापुर निम्नलिखित कार्यों के लिए सक्षम, प्रतिष्ठित फर्मों / ठेकेदारों से रेलवे की ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर ऑनलाइन ई-निविदाएं आमंत्रित करता है: **काम का नाम:** मध्य रेलवे के सोलापुर मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर नए गुड्स शेड और कमरों में दूरसंचार का व्यवस्था / उपकरणों का प्रावधान/ स्थानांतरण करना। **निविदा सूचना संख्या: सोला-एन-टी-2024-2025-51, दिनांक:21.03.2025. कार्य की अनुमानित लागत:** 1,30,02,468.66. **टैंडर फॉर्म की कीमत:** NIL. **जमा की जाने वाली धरोहर राशि:** 2,15,000/-. **कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 08 महीने। **निविदा बंद होने का समय एवं दिनांक www.ireps.gov.in पर 15.04.2025 at 15.30 Hrs.** विवरण ireps वेबसाइट में उपलब्ध हैं। शुद्धिपत्र / संशोधन यदि कोई हो तो केवल उपरोक्त ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा। केवल ऑनलाइन निविदाएं ही स्वीकार की जाएंगी। मैनुअल / डाक/ ई-मेल, फैक्स, हस्तनिविदाएं स्वीकार नहीं की जाएंगी। निविदाताओं से अनुरोध है कि वे कंपनी के नाम के साथ तृतीय श्रेणी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र प्राप्त करें और इसे **www.ireps.gov.in** पर पंजीकृत करें। बयाना राशि का भुगतान (ईएमडी) केवल नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से ही स्वीकार किया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए कृपया **www.ireps.gov.in** देखें।

DE/Sur-55 — DRM (S&T Branch), Central Railway, Solapur

रेल्वे फाटक को बंध स्थिति में पार करना मना है

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

संपादकीय

विरोध के युग में धैर्य की आवाज़ का सम्मान

हिंदी साहित्य के संवेदनशील कथाकार और शब्दों के जादूगर विनोद कुमार शुक्ल को 59वें ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया जाना केवल एक लेखक की उपलब्धि नहीं, बल्कि साहित्य की आत्मा का उत्सव है। यह उस लेखन का सम्मान है जो सत्ता, प्रसिद्धि और बाज़ारवाद की चकाचौंध से दूर, जीवन की वास्तविकता को उसकी पूरी गहराई और सादगी के साथ प्रस्तुत करता है। विनोद कुमार शुक्ल उन रचनाकारों में से हैं, जिनकी कलम किसी वाद या धारा की कैद में नहीं बंधी। उन्होंने अपने लेखन में सामान्य जीवन की असाधारण सुंदरता को उकेरा, शब्दों के शोर में नहीं, बल्कि उनकी खामोशी में अर्थ खोजे। 'नौकर की कमीज', 'दीवार में एक खिड़की रहती थी' और 'खिलेगा तो देखेंगे' जैसी कृतियाँ साहित्य के लिए एक नया रास्ता बनाती हैं—जहाँ न तो आडंबर है, न दिखावा, बस जीवन की धीमी मगर गहरी धड़कनें हैं। आज जब साहित्य में अति-प्रदर्शन और भड़काऊ विमर्शों का दौर है, विनोद कुमार शुक्ल का लेखन हमें रुककर सोचने की शक्ति देता है। उनके शब्द किसी क्रांति का शोर नहीं मचाते, बल्कि भीतर तक उथल-पुथल मचाने वाली शांति पैदा करते हैं। यह साहित्य का वह रूप है जो धीरे-धीरे मन की जमीन को उपजाऊ बनाता है, संवेदनाओं को पुनर्जीवित करता है। छत्तीसगढ़ जैसे साहित्यिक रूप से अपेक्षाकृत कम चर्चित प्रदेश से आने वाले विनोद कुमार शुक्ल ने यह साबित कर दिया कि सच्चा साहित्य किसी मंच या बड़े शहरों का मोहताज नहीं होता। यह कहीं भी जन्म ले सकता है, किसी भी कोने में पनप सकता है और पूरे देश को अपनी रोशनी से आलोकित कर सकता है। ज्ञानपीठ पुरस्कार की यह घोषणा केवल एक साहित्यिक सम्मान नहीं, बल्कि उन सभी पाठकों और लेखकों के लिए एक प्रेरणा है, जो अपनी जड़ों से जुड़े रहकर सृजन करते हैं। यह पुरस्कार हमें याद दिलाता है कि साहित्य अख़बारों की सुर्ख़ियों या सोशल मीडिया की सनसनी से नहीं, बल्कि समय की कसौटी पर खरे उतरने वाले शब्दों से अमर होता है। आज जब तेज़ी से बदलते समाज में साहित्य के लिए जगह सिमटती जा रही है, तब विनोद कुमार शुक्ल का लेखन और उनके सम्मान की यह घड़ी हमें यह विश्वास दिलाती है कि गहराई की अभी भी कद्र होती है, संवेदनशीलता को अभी भी सुना जाता है। यह पुरस्कार केवल एक लेखक के लिए नहीं, बल्कि हर उस पाठक के लिए है, जिसने किताबों में अपने जीवन की परछाईं देखी है।

विनोद कुमार शुक्ल का कवि-कर्म

होना और हुए की बात होना, एक नहीं है. होना अध्यात्म है और होने तथा हुए की बात करना दुनिया है, दुनियादारी है. परम्परा से, दोनों में 'किसकी प्राथमिकता है' को लेकर विवाद है. गौरतलब है, विवाद वास्तविकता को लेकर नहीं, इसकी स्वीकृति के प्रकार-भेद को लेकर है. हम मनुष्य ऐसी बहुत सारी योग्यताओं, संपदाओं, और विशेषताओं से लैस होते हैं, जिन्हें महत्त्वपूर्ण मानने को ठहरते नहीं. किन्तु इनका अभाव होने पर हम मनुष्य इसका महत्त्व जान पाते हैं.

पिता ने फुलाया था उसका फुग्गा
मृत पिता की सांस
अभी तक फुग्गों में सुरक्षित है
मृत बच्ची के पास !!!

और इस तरह प्रारम्भ होता है स्मृति का आख्यान. क्या महत्त्व है हमारे जीवन में स्मृति का ? कुछ नहीं ? क्या वह अतीतजीवियों के छिपाने का खोल मात्र है ? विनोद कुमार शुक्ल लब्धप्रतिष्ठ गद्यकार हैं, कवि हैं. इनकी रचनाएँ तरह तरह के रास्तों से गुजरते रहने वाली देशाटन-जैसी एक मनुष्य की इच्छा-यात्रा है. यात्रा न तो रास्ता करता है, न शहर और न कोई और तथ्य. यात्रा करता है मनुष्य. मनुष्य सिर्फ रोटी कपड़ा और माकन जैसी बुनियादी बातों का चिंतन नहीं करता, बल्कि उनके लिए चिंतन नहीं प्रयास करता है. हालाँकि उनको विदित है, "चित्रकार को मेरी कविताएँ पसंद नहीं", "संगीतकार को भी मेरी कविता पसंद नहीं". ऐसा इसलिए है क्योंकि कविता में शब्द होते हैं, शब्दों में अर्थ की अनंत संभावनाएं होती हैं और जिन्हें संभावनाओं से ऐतराज़ है, वे अतीत को स्मृति नहीं, इतिहास कहते हैं, सुनिश्चित किया हुआ स्तब्ध इतिहास.

इतिहासों में घर नहीं होता, मनुष्य नहीं होता, मानुष-आकांक्षाएँ नहीं होतीं, स्वप्न और संभावना नहीं होतीं और नहीं संभावनाशील शब्द होते हैं. जिन्हें इतिहास ने बेसहारा छोड़ दिया, वे विनोद कुमार शुक्ल की कविता में पुनस्सर्जित होकर प्राणवान हो उठते हैं :

"नष्ट होने की परंपरा
ऐसे मजबूत खंडहर की तरह है
कि ऐतिहासिक किले के मज़बूत खंडहर में
अभी भी मिलिट्री की बैरकें हैं
किले में गरीबों की नई गृहस्थी का घर
हुआ होता
कुछ सुरक्षित रह जाती गृहस्थी
हमलावर लोगों से"

कुछ विद्वानों के लिए ये खंडहर ऐतिहासिक शोध की सामग्री, कुछ के जातीय अस्मिता की सामग्री हैं तो सत्ता-प्रशासन मिलिट्री बैरक बनवाता है. किन्तु कवि विनोद कुमार शुक्ल यहाँ घर बसाने की संभावना करते हैं.

घर का बने रहना इनके रचना-संसार का केन्द्रीय पक्ष है. इस 'घर के बने रहने' का संबंध मानव-सभ्यता के विकास के अनेक प्रकार के सोपानों से है. है. लेकिन घर को एक सहज दाय के रूप में स्वीकार कर इसकी वास्तविक सत्ता और महत्ता को नज़रअंदाज़ करते आ रहे हैं.

"कोई मुझे करे बेदखल
मेरे घर मेरी दुनिया से
फिर अपने को बचाने में
जाने कितना समय लगे
भाग यहाँ से घर."

अनायास परिदृश्यमान हो उठता है चारों ओर से संकटापन्न मनुष्य, जो खुद को बचता हुआ नहीं पाकर भी बचा लेना चाहता है कोई अमूल्य निधि – जिसकी दरकार है सभी बचे लोगों को. उसी तरह यह कविता 'घर' को बचा लेना चाहती है, दुनिया बचा लेना चाहती है,

"मुझे बचाना है
एक एक कर
अपनी प्यारी दुनिया को
बुरे लोगों की नज़र है
इसे ख़त्म कर देने को" -----

क्योंकि कवि की स्पष्ट समझ है कि विचार और बाज़ार का एकमात्र टार्गेट है घर. इसी घर से जुड़ी है लोगों की दुनिया. दुनिया न तो अध्यात्मवादियों का संसार है, न संरचनावादियों का समाज बल्कि यह है रागात्मिका वृत्ति और अनिवार्य संबंधों का वृत्त, पूर्ण रूप से मानवीय आकांक्षाओं से सराबोर. और इसी की एकाग्रता को भंग करने कोई निर्वैयक्तिक और उदात्त सा प्रतिपक्ष घात लगाए बैठा है.

तो क्या परिवर्तन हो जाना किसी सत्ता का नष्ट हो जाना है? अतीतोन्मुखी विचारधारा का उत्तर जहाँ होगा 'हाँ', वहीं वैज्ञानिकता कहेगी नहीं. तो हमारी दैनंदिन बुद्धि में दोनों जवाबों को ख़ारिज कर देने की सहज योग्यता भी है. हाँ भी गलत और न भी गलत.

पतझड़ के मौसम में बगीचा उजाड़ सा दिखता है किन्तु हमारी स्मृति में बसी पुनः नव-पल्लव आने की अनिवार्यता हमें निराश नहीं होने देती. आशान्वित रहना या निराश हो जाना आकस्मिक या अकारण नहीं होता. जब हमारी स्मृति हमारा साथ नहीं देती तो हम निराश हो जाते हैं और जब साथ होती है तो आशान्वित बने रहते हैं. इतनी सी बात है.

अब प्रश्न है कि किस प्रकार की वस्तु, घटना अथवा दृश्य स्मृति में अपना स्थान बना पाते हैं? जीवन में – एक व्यक्ति अनगिनत परिदृश्यों से रूबरू होता है. सबको सुरक्षित नहीं किया जाता, नहीं किया जा सकता. जिस वस्तु की वस्तुता जीतनी तीव्र और सघन होती है, वह उसी अनुपात में व्यापक और स्थायी स्मृति का रूप ले पाती है. अज्ञातता वस्तु की नहीं, व्यक्ति की मर्यादा है. एक दृष्टान्त लेते हैं, इमली, जिसका नाम सुनकर उसके मुंह में पानी भर आता है जो इसके नाम-रूप-कर्म से वाकिफ है. ऐसा मात्र इस शब्द के उच्चारण से नहीं हो जाता बल्कि इसके लिए स्मृति का होना आवश्यक है.

स्मृति की ताकत कई बार ज्ञान-बोध का अतिक्रमण करती है, मसलन, मृत्यु से किसी का डरना. गोया किसी भी जीवित व्यक्ति को इसका अनुभव नहीं होता, किन्तु, संभवतः, व्यक्ति की आन्तरिकता से इसकी कोई पहचान होती है

"जो कुछ अपरिचित हैं
वे भी मेरे आत्मीय हैं
मैं उन्हें नहीं जानता
जो मेरे आत्मीय हैं."

विनोद कुमार शुक्ल अपनी कविताओं से 'सूख' गए संबंधों को एकबार फिर से रससिक्त करना चाहते हैं, पुनर्जीवित करना चाहते हैं कविताई प्रयास का एक बेहतर उदहारण देखिए:

"और अच्छा लगता मैं उन्हें स्टेशन पर
देखता
वे मेरे घर आ जाते, कोई ऐसे संबंध की
तरह
जिन्हें मैंने कभी देखा न था
उत्तर प्रदेश के एक गाँव में रह रही
उस बड़ी बहन की तरह
जिससे संबंध टूट गए"

कवि यहाँ खुद-ब-खुद स्पष्ट है कि सम्बन्ध तो है, पर टूट गया है. कविताओं में उस 'टूट' गए संबंधों के अचानक जी उठने की कामना उसके वैयक्तिक प्रयास की विफलता का छाया-कथन भी तो है. हम मनुष्य संबंधों के लिए कुछ इस कदर व्याकुल और तत्पर रहते है जैसे प्रत्यंचा पर चढ़ा बाण. इसी तरह हम नहीं सोचते कि इसका परिणाम क्या होगा ! सहज रहने का दौरा आता है, एक नैसर्गिक वृत्ति की तरह. तभी तो वह दौड़ता है दरवाज़ा खोलने को, जब भी वह दस्तक सुनता है, संबंधों की दस्तक !

"ऐसे छोटे बच्चे से लेकर
जिनके हाथ साँकल तक नहीं पहुँचते
घर का कोई भी दौड़ता है
दरवाज़ा खोलने
जिसे सुनाई देती है
दरवाज़ा खटखटाने की आवाज़.
थोड़ी देर होती दिखाई देती है
तो चारपाई पर लेटे लेटे
घर के बूढ़े बूढ़ी
चिंतित हो सबको आवाज़ देते हैं
कि दरवाजा खोलने कोई क्यों नहीं जाता ?
पर होता ऐसा
कि दरवाजा खुलते ही
स्टेनगन लिये हत्यारे घुस आते हैं
और एक एक को मार कर चले जाते हैं.
ऐसा बहुत होने लगता है
फिर भी दरवाज़े के खटखटाने पर
कोई भी दौड़ पड़ता है
और दरवाज़ा खटखटाए जाने पर
दरवाजे बार बार खोल दिए जाते हैं."

ऐसा अनायास नहीं हो जाता, आत्मीयता की एक हुक अन्दर ही अन्दर पसीजती रहती है. है. इस पर तो अभी विचार किया जाना शेष है कि कोई अजनबी क्यों और कैसे अजनबी है ? बड़ी विकट स्थिति है, कवि इससे अभिज्ञ है,

"मुझे यह भी नहीं मालूम
कि मैं कितनों को नहीं जानता." और इसके साथ यह भी देखने योग्य है-

"खूब चलेंगे
कि ज़िन्दगी के नजदीक आने को
बहुत मन होता है
वाकई ज़िन्दगी से होती हुई
कोई सड़क ज़रूर जाती होगी ..."

विनोद कुमार शुक्ल की कविता पढ़ते हुए सहसा यह अहसास होता है हम किसी नए क्षितिज के विस्तार पर विचर रहे हैं. वह क्षितिज कुछ ऐसा है जो आत्मीय तो प्रतीत होता है, किन्तु हम उसके अभ्यस्त इस मायने में नहीं कि हम कविता-यात्रा में इस विस्तार से नहीं गुजरे, जीवन यात्रा में अवश्य गुजरे हैं. इसीलिए हलकी मिटटी खोदने के अभ्यासी, इनकी कविताओं पर, और शायद इनकी समग्र रचनात्मकता पर 'कठिन' होने का आक्षेप करते रहे हैं. जाहिर है, कठिनाई कवि या कविता नहीं, पाठकों की है जो उनकी सुविधा के अभ्यास के कारण उत्पन्न हुई है. और इस कारण यह स्पष्ट हो जाना लाजिमी है कि जो तर्कशास्त्र या ज्ञानशास्त्र प्रचलित है इनकी पृष्ठभूमि में एक 'निश्चित किया गया' जीवनदर्शन है.

जब विनोद कुमार शुक्ल की कविताओं में नए अर्थ-विस्तार की बात की जाती है तो जीवन के उन पहलुओं को समझने की कोशिश की जाती है जो किसी कारन से अनदेखा, अनछुआ सा रह गया है –

"जाते जाते पलटकर देखना चाहिए
दूसरे देश से अपना देश
अंतरिक्ष से पृथ्वी
तब घर में बच्चे क्या करते होंगे की याद
पृथ्वी में बच्चे क्या करते होंगे की होगी
घर में अन्न जल होगा कि नहीं की चिंता
पृथ्वी पर अन्न जल की चिंता होगी
पृथ्वी में कोई भूखा
घर में भूखा जैसा होगा
और पृथ्वी की तरफ लौटना घर की तरफ
लौटने जैसा."

शब्द सरल, स्पष्ट और आत्मीय किन्तु भावबोध बिलकुल नया. भावुक होकर कवि नौटंकी नहीं कर रहा कि 'सारे निर्धन, अभावग्रस्त लोह मेरे भाई हैं, मैं उनके दुःख से इतना दुखी हूँ कि मेरा वज़न कम होता जा रह, ये सब पूँजी पतियों का षड्यंत्र है, मैं इन्हें मिटाकर रहूँगा. भाइयो ! मैं अगर चुक गया तो तुम लोग इस मशाल को जलाए रखना ... वगैरह वगैरह." इनकी चिंता अभाव है, अभाव-ग्रस्त लोग नहीं; निर्धनता है, निर्धन लोग नहीं.

बार बार सवाल उठता है कि कविता क्यों, किसलिए और किसके लिए लिखी कही जाती है ? पर सवाल है कि ज्यों के त्यों धरे हुए हैं. समय सन्दर्भ बदलते हैं, समाधान काल कवलित हो जाते हैं.

"सबकी तरफ से वह बोलेगा
वही तो !
कुछ बात नहीं की जिसने मुझसे
चाय पीते हम दोनों सड़क पर खड़े रहे
चुपचाप.
वही !! ....
जो हमेशा होता है इस तरह चुपचाप
कि अब जोर से बोलेगा अचानक किसी
वक्त
पहले भी यही बात थी
अभी भी यही बात है
जबकि पिछले दिनों
कुछ गुंडों ने उसकी जुबान काट दी."

कौन हैं ये गुंडे जो सबकी तरफ से बोलने वाले की जुबान काट देते है ? क्या इनके हाथ में चाकू-छुरी या तमंचा होता है ? नहीं. ये हैं नारा लगाने वाले प्रोफेशनल लोग, जो आपकी बातों को नारों में बदल कर आपकी जुबान काट लेते हैं. कवि आँखों से देखने और कंठ से घर्र-घर्र, गों-गों करने के अलावा और कुछ नहीं करता दिखता. फिर भी ये नारेबाज़ जमकर उस कवी का मजाक बनाते हैं. साहित्य नारेबाजी नहीं है. साहित्य उन्हें फिर से उकेरता है, उभरता है, प्रकट-प्रकाशित करता है. दर्शन और राजनीति तो राजमार्ग हैं जिन्हें साहित्य पगडंडियों के माध्यम से मानव और मानवता से जोड़ता है. इस तरह साहित्य राजनीति और दर्शन-चिंतन से जुड़ा तो ज़रूर है, पर उसका वास्तविक सरोकार 'मनुष्य' है. इसे राजनीति या दर्शन का पूरक भी नहीं माना जाना चाहिए क्योंकि पूरक न्यूनता का भी सूचक है. कवि के शब्दों में,

"मैं कोई ऐसा जूता बनवाना चाहता हूँ
मेरे पैरों में ठीक ठाक आये."

जब व्यवस्था और व्यवस्था-बोध में अंतराल आ जाता है तो गलतफहमी का बाज़ार गर्म हो जाता है और जो इस ताक में बैठे होते हैं- जहाँ मानव-व्यक्ति के बोध-तंत्र को अविकसित रखकर उससे 'कमिटमेंट' की शक्ल में गुलामी करवाई जाती है. इसके लिए अज्ञान ही हथियार का काम करता है.

"गोली की आवाज़ सुनकर
पेड़ की सारी चिड़ियाँ उड़ गई
पर मरने वाला कोई एक आदमी था
चिड़ियाँ बेकार उड़ीं."

सचमुच चिड़ियों को नहीं पता होता है डरने की सही वज़ह का. चिड़ियाँ फिर भी डरती रहती हैं. क्यों ? यह सवाल नहीं, निषेध है. एक चिड़ियाँ डरती रहे. चिड़ियों का यह डरने वाला स्वभाव उनका परिचय बना रहे कि डरपोक होती हैं. फिर भी,

"इतने अनिश्चय की स्थिति में
कि कब कौन आदमी अचानक मारा
जाए
लोगों के लिए
जीवन भरपूर और निश्चित हो गया है

यह कोई निष्क्रिय आशावाद नहीं, विद्रोह है. और विद्रोह की शक्ल है अनिश्चित मृत्यु के विरुद्ध जीवन को वास्तविक और अपना मानना.

बड़ा संतोष होता है विनोद कुमार शुक्ल को पढ़ते हुए, जीवन की जीवंत और प्राणवान संवेदनाएँ इधर-उधर प्रवाहित होती हुई को देखते हुए. जीवन मौत की प्रतीक्षा का नाम नहीं है. फ़र्ज़ करें, ग्रामीण इलाके में, मिल मजदूर के लिए, पत्नी, माँ, बहन या बेटी, दोपहर का खाना ले जा रही है. सर पानी का लोटा और हाथ में पोटली. घर का सबसे साबुत लोटा, वह भी दरका हुआ, कि पानी बूंद बूंद टपक रहा है. अपनी पूरी हैसियत के अनुरूप सज-धजकर अपनों के लिए दोपहर का कलेवा ले जाती ग्राम्य नायिकाएँ, प्रेम से सराबोर.

रवीन्द्र कुमार दास

शख्सियत | राम मनोहर लोहिया

भारतीय समाजवादी नेता

राम मनोहर लोहिया 23 मार्च 1910 - 12 अक्टूबर 1967) भारतीय स्वतंत्रता संग्राम और समाजवादी उपनिवेशवाद के खिलाफ़ सक्रिय रूप से विरोध किया लोकसभा के चुनाव जीते। राम मनोहर लोहिया का जन्म 23 मार्च 1910 को एक मारवाड़ी बनिया परिवार में हुआ था आधुनिक उत्तर प्रदेश के अकबरपुर में।

1918 में, वह अपने पिता के साथ बॉम्बे चले गए, और फिर वहीं अपनी हाई स्कूल की शिक्षा पूरी की। मैट्रिक परीक्षा में अपने स्कूल में प्रथम स्थान प्राप्त करने के बाद, उन्होंने 1927 में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से अपनी इंटरमीडिएट की पढ़ाई पूरी की।1929 में लोहिया आगे की पढ़ाई के लिए इंग्लैंड चले गए। इसके बाद लोहिया ने जर्मनी के बर्लिन में फ्रेडरिक विलियम विश्वविद्यालय में शामिल होने का फैसला किया। इसके बाद उन्होंने जर्मन भाषा सीखी और 1929 से 1933 तक अर्थशास्त्र में डॉक्टरेट की पढ़ाई के लिए छात्रवृत्ति जीती। बर्लिन विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र की पढ़ाई के दौरान लोहिया की मुलाकात गोवा के राजनीतिक नेता जूलियाओ मेनेजेस से हुई,और वे बर्लिन, वाइमर गणराज्य में भारतीय छात्र संघ का हिस्सा बन गए। लोहिया ने 1934 में कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी की स्थापना में मदद की। 1938 में, लोहिया ने सचिव के पद से इस्तीफा दे दिया। जैसे ही द्वितीय विश्व युद्ध तेज हुआ, लोहिया ने युद्ध-विरोधी प्रचार शुरू कर दिया। वह युद्ध में ब्रिटिश सरकार का समर्थन करने के कांग्रेस पार्टी नेतृत्व के फैसले की आलोचना करते हुए कहा कि अगर कांग्रेस उनके साथ सहयोग करती तो अंग्रेज भारत को आजादी नहीं देते। जून 1940 में, उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया और युद्ध-विरोधी भाषण देने के लिए दो साल की जेल की सजा सुनाई गई। उसके बाद उन्हें 1944 में लाहौर किले में पकड़ लिया गया और कैद कर लिया गया ।1963 में लोहिया ने फर्रुखाबाद लोकसभा क्षेत्र में उपचुनाव जीता । इसके बाद सोशलिस्ट पार्टी ने प्रजा सोशलिस्ट पार्टी के साथ विलय करके संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी का गठन किया। 1967 में लोहिया के नेतृत्व में संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी ने सात राज्यों (उत्तर प्रदेश सहित) में कांग्रेस को हराकर वहां सरकार बनाई। यह 1967 में लोहिया ने फर्रुखाबाद लोकसभा क्षेत्र से अलग होकर बने नए बने कन्नौज लोकसभा क्षेत्र से चुनाव जीता । कांग्रेस के कड़े विरोध के कारण वे मात्र 472 मतों के बहुमत से जीते। 12 अक्टूबर 1967 को 57 वर्ष की आयु में उनकी मृत्यु हो गई।

जीवन ऊर्जा

भगत सिंह : निधन 23 मार्च 1931 देहावसान

जन संघर्ष के लिए अहिंसा आवश्यक है

इतिहास के पन्नों में आज यानी कि 23 मार्च का दिन हमेशा के लिए दर्ज हो चुका है। अंग्रेजी हुकूमत ने 23 मार्च 1931 को भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को फांसी दे दी थी। इन तीनों वीरों को लाहौर षड़यंत्र के आरोप में फांसी की सजा सुनाई गई थी।

इतिहास के पन्नों में आज यानी कि 23 मार्च का दिन हमेशा के लिए दर्ज हो चुका है। इस दिन को शहीद दिवस के तौर पर भी मनाया जाता है। बता दें कि आज ही के दिन यानी की 23 मार्च को भारत माता के वीर सपूतों भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु ने अपने प्राणों का बलिदान दिया था। इन तीनों वीरों को लाहौर षड़यंत्र के आरोप में फांसी की सजा सुनाई गई थी। आइए जानते हैं कि अंग्रेजों ने भगत सिंह और उनके साथियों को एक दिन पहले फांसी की सजा क्यों दी और उन्हें किस जुर्म के तहत फांसी की सजा दी गई। आपको बता दें कि 8 अप्रैल 1929 को भगत सिंह और उनके साथी बटुकेश्वर दत्त ने सेंट्रल असेंबली में बम फेंके और आजादी के नारे लगाए। दो साल जेल में रहने के दौरान भगत सिंह क्रांतिकारी लेख लिखा करते थे। भगत सिंह के लेखों में अंग्रेजों के साथ-साथ कई पूंजी-पतियों के नाम भी शामिल थे, जिनको वह देश का दुश्मन मानते थे। साथ ही उनको कई भाषाओं का ज्ञान भी था। उन्होंने बटुकेश्वर दत्त से बांग्ला सीखी थी। लेकिन इन तीनों की फांसी की सजा पर देशवासी भड़के हुए थे। तीनों वीर सपूतों की फांसी के विरोध में जगह-जगह प्रदर्शन हो रहे थे। ऐसे में अंग्रेज सरकार ने अचानक से फांसी के दिन और समय में बदलाव कर दिया। बता दें कि अंग्रेज सरकार ने डर के कारण 23 मार्च 1931 की शाम 07:30 पर तीनों वीर सपूतों को फांसी पर चढ़ा दिया गया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक इस दौरान कोई भी मजिस्ट्रेट फांसी की निगरानी के लिए तैयार नहीं था। भगत सिंह को जब फांसी दी गई, तब वह महज 23 साल के थे, उनके चेहरे पर मुस्कान थी और वह अंग्रेजों के खिलाफ नारे लगा रहे थे।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

सबको योग्यता अनुसार ही वृति मिलती है

मनुष्य को इच्छा के अनुसार नहीं बल्कि उसकी क्षमता के अनुसार ही मिलता है। जैसे एक घडे को चाहे समुद्र में डुबोइये झील में डुबोईये या कुएं में उसमें जल उतना ही आयेगा ठीक इसी प्रकार जितनी हमारे प्रारब्ध के अनुसार क्षमता हैप्रभु हमको उतना ही प्रदान करते है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

हर कोई हरेक सांसारिक काम कर भी नहीं सकता अर्थात सबका अपना अपना अलग अलग भी महत्व है छोटा या बड़ा कोई महत्व नहीं रखता है जो काम सूई कर सकती है वो काम तलवार नहीं कर सकती सबको अपनी क्षमता और योग्यतानुसार ही वृति मिलती है। यह मानवीय स्वभाव है और इच्छा तो सबकी सब कुछ पाने की होती है परन्तु क्या उसे प्राप्त करने की क्षमता और योग्यता भी होती है। शायद नहीं नियोक्ता ईश्वरतो सब कुछ जानता हैकिस को क्या दायित्व देना उचित है क्या अनुचित क्या उसके लिए अनुकूललाभदायक है क्या हानिकारक इसलिए वो वही प्रदान करता है जो हमारे हित में होता हैहम परात्मा की कृपा बिना तर्क हर परिस्थितियों मे आश्रय अनुभव करते हुए अपने जीवन को सहजता से सन्तुष्ट रहकर व्यतीत करेकहा भी है। (होई है सोई जो राम रचि राखा) आज अपने प्रभु से अटूट विश्वास मे अनुकम्पा युक्त संरक्षण देने हेतु अलौकिक विनती के साथ।

प्रकृति ने विनिमय की व्यवस्था बनाई है

सम्मान प्राप्त करने की अभिलाषा प्रत्येक मनुष्य की होती है। अपने अनादर की वजह से जो गहरी चोट उसके दिल पर लगती हैउससे वह असंतोष घृणाशत्रुता और प्रतिशोध की नकारात्मक भावनाओं से भर जाता है कोई धूर्त व्यक्ति अपनी चालाकियों से अस्थायी रूप से सम्मान प्राप्त कर ले तो भी उसे उससे स्थायी संतुष्टि नहीं मिलेगीउलटे जब उसकी वास्तविकता उजागर होगी तो वह उपहास का पात्र बनेगा याद रहे कि कागज की नाव बहुत ज्यादा समय तक नहीं तैर सकती और अंततः डूब जाती हैइसीलिए कपट से कुछ प्राप्त करने के बजाय योग्यता और गुणवान बनने पर अपना समय एवं शक्तियां केंद्रित करेंगे तो स्वाभाविक रूप से स्थायी सम्मान के पात्र बनेंगे लोग गुणों की पूजा करते हैव्यक्ति की नही वास्तविकता को सराहते है कृत्रिमता को नही पलाश का फूल आकर्षक दिखता है किंतु लोग गुलाब की सुगंध के कारण ही कांटों के बावजूद उसे पसंद करते है ।

अपने विचार

जो कोई भी हमारे मुस्लिम भाइयों और बहनों को आंख दिखाएगा, अगर कोई भी दो गुटों में झगड़ा कराकर अमन-शांति को भंग करेगा और कानून को अपने हाथ में लेता है, चाहे वह कोई भी हो, उसे बख्शा नहीं जाएगा, उसे माफ नहीं किया जाएगा।
-अजित पवार, डिप्टी सीएम, महाराष्ट्र

परिसीमन उन राज्यों को प्रभावित करेगा, जिन्होंने परिवार योजना को सफलतापूर्वक लागू किया है, इसलिए हम इसका विरोध कर रहे हैं. मणिपुर दो साल से जल रहा है लेकिन उनकी आवाज नहीं सुनी जा रही है. क्योंकि उनके पास उन्हें सुनने के लिए सांसद नहीं हैं।
-एमके स्टालिन, सीएम,तमिलनाडु

मुख्यमंत्री ने इस बैठक के लिए पड़ोसी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को आमंत्रित कर महत्वपूर्ण मुद्दों पर राज्य के अधिकारों को खो दिया है। इन अधिकारों में कर्नाटक के साथ लगने वाला मेकेदातु बांध परियोजना भी शामिल है।
-अन्नामलाई, , नेता,भाजपा

अगर आप टी-शर्ट खोलकर आएंगे तो सदन चलेगा, वरना सदन नहीं चलेगा। आप बाहर जाइये, कोई भी बड़ा नेता हो या कोई भी लीडर , अगर वह सदन की मर्यादा का उल्लंघन करेगा तो स्पीकर के नाते इसे बनाए रखना मेरी जिम्मेदारी है। आप सदन नहीं चलाना चाहते हैं।
-ओम बिड़ला, स्पीकर, लोकसभा

अपने विचार
डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रियल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिदार)।

पूर्व छात्रों ने पी आर विद्यालय को साउंड सिस्टम और नकद भेंट दी

भिवंडी। भिवंडी शहर के पी आर विद्यालय के 1985-86 बैच के पूर्व छात्रों ने विद्यालय के छात्रों को आधुनिक शिक्षा प्रणालियों से जोड़ने के उद्देश्य से स्कूल को साउंड सिस्टम, स्पीकर सेट और 1,11,111 रुपये का चेक भेंट किया। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका शुभांगी पाटील को यह भेंट सौंपते समय पूर्व छात्र विजय पाटील, शैलेश आचार्य, देवाशीष आचार्य, मिलिंद पलसुले, राजेश श्रीवास्तव, योगेश झंवर, देवेंद्र आलशी, शेखर कोपरकर और राजेश देशमुख सहित शिक्षकगण उपस्थित थे।

नवी मुंबई नगर निगम की अभय योजना, संपत्ति कर और पानी के बिल पर छूट

नवी मुंबई। नवी मुंबई नगर निगम (NMMC) ने संपत्ति कर बकाया पर विलंब शुल्क और दंड माफी की योजना शुरू की है। साथ ही, पानी के बिल पर विलंब शुल्क और दंड में 50% की छूट देने की घोषणा की है। यह अभय योजना 31 मार्च 2025 तक प्रभावी रहेगी। नवी मुंबई नगर निगम ने नागरिकों से अपील की है कि वे जल्द से जल्द अपने बकाया पानी के बिलों का भुगतान करें और इस योजना का लाभ उठाएं। यह छूट नवी मुंबई महानगरपालिका क्षेत्र के सभी बकायादार जल उपभोक्ताओं को दी गई है। मोरबे बांध और कलंबोली के बीच मुख्य जलमार्ग पर स्थित ग्राम पंचायतों के अतिदेय जल ग्राहकों को भी इस योजना में शामिल किया गया है। पानी के बिलों पर विलंब शुल्क और जुर्माने में 50% की छूट प्रदान की जा रही है।

ठोस अपशिष्ट से बिजली और गैस उत्पादन की योजना

नवी मुंबई। नवी मुंबई नगर निगम (NMMC) की तुर्भे एमआईडीसी स्थित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन परियोजना को देश की सबसे बेहतरीन परियोजनाओं में से एक माना जाता है। यहां ठोस कचरे से उर्वरक सहित कई उत्पाद तैयार किए जाते हैं। अब नगर निगम ने इस कचरे से बिजली और गैस उत्पादन की योजना पर काम शुरू करने का निर्देश दिया है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 की समीक्षा के दौरान नगर आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे ने शहर अभियंता शिरीष आरदवाड के साथ इस परियोजना स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिया कि नई तकनीकी प्रणालियों को अपनाकर इस परियोजना को और परिष्कृत किया जाए।

पनवेल आरटीओ कार्यालय होगा खारघर में स्थानांतरित

पनवेल। पनवेल क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) जल्द ही कलंबोली से खारघर के सेक्टर 36 में स्थानांतरित होने वाला है। यह कार्यालय वर्तमान में आयरन एंड स्टील मार्केट बिल्डिंग, कलंबोली में संचालित हो रहा था, लेकिन राज्य गृह विभाग ने इसके स्थानांतरण को मंजूरी दे दी है। नया आरटीओ कार्यालय खारघर के सेक्टर 36 में ₹वैली क्राफ्ट्स सोसाइटी₹ के आठ ब्लॉकों में संचालित होगा।

बाघ के हमलों को रोकने के लिए तीन महीने में योजना तैयार करने के निर्देश

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

गडचिरोली जिले में बाघ के हमलों से हो रही मानव हानि को रोकने के लिए मुख्यमंत्री एवं गडचिरोली के पालकमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में स्थिति का अध्ययन करने और प्रभावी उपाय लागू करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि तीन महीने के भीतर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाए, जिसमें बाघों के स्थानांतरण और पीड़ित परिवारों के लिए विशेष मुआवजे जैसे प्रावधान हों।

खतरनाक क्षेत्रों की पहचान और बाघों के स्थानांतरण पर नीति तैयार होगी

बैठक में इस बात पर भी चर्चा हुई कि मानव-बाघ संघर्ष में ज्यादातर वृद्ध बाघ शामिल होते हैं। ऐसे में खतरनाक और संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान कर विशेष योजना तैयार करने और वृद्ध बाघों के स्थानांतरण को लेकर नीति संबंधी निर्णय लेने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। मुख्यमंत्री फडणवीस के इन निर्देशों से गडचिरोली में बाघ के हमलों को रोकने और मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जाएंगे।

पिछले पांच वर्षों में 50 से अधिक लोगों की मौत

गडचिरोली, चार्मोशी, आरमोरी, वडसा और धानोरा क्षेत्रों में बाघों के हमलों में पिछले पांच वर्षों में 50 से अधिक लोग मारे गए हैं। विशेष अध्ययन कर अतिरिक्त बाघों का स्थानांतरण किया जाएगा। बाघ हमलों में मारे गए नागरिकों के परिवारों को विशेष नुकसान भरपाई देने का निर्णय लिया गया।

वन अधिकारियों की बैठक में लिए गए अहम फैसले

मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार, 'मित्रा' संस्था के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रविण परदेशी के मार्गदर्शन में नागपुर में वरिष्ठ वन अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य के प्रधान मुख्य वन संरक्षक शोमिता बिस्वास, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक विवेक खांडेकर, ताडोबा अंधारी व्याघ्र प्रकल्प के मुख्य वन संरक्षक डॉ. रामचंद्र रामगावकर और गडचिरोली वन वृत्त के मुख्य वन संरक्षक एस. रमेशकुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने के उपाय

बैठक में बाघों के हमलों को रोकने और मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने के लिए निम्नलिखित निर्णय लिए गए। चपराला और प्राणहिता अभयारण्य में सागवान के पेड़ों की छंटाई और घास के क्षेत्र को बढ़ाया जाएगा, ताकि शाकाहारी वन्यजीवों की संख्या बढ़े और मांसाहारी जानवरों को प्राकृतिक भोजन उपलब्ध हो। प्रत्येक गांव में 'वन पाटिल' नियुक्त किए जाएंगे, जो जंगल से जुड़ी गतिविधियों पर नजर रखेंगे। CBG गैस आपूर्ति के लिए पाइपलाइन बिछाई जाएगी, ताकि ग्रामीणों को जंगल में लकड़ी और ईंधन इकट्ठा करने न जाना पड़े। किसानों के खेतों में घास उगाने और उसे CBG गैस उत्पादन के लिए उपयोग करने की योजना तैयार की जाएगी। वन्यजीवों द्वारा फसलों को हुए नुकसान की भरपाई जल्द करने के लिए ई-पंचनामा प्रणाली लागू की जाएगी।

अप्रैल में म्हाडा सौंपेगी गोरेगांव हिल्स में घरों का कब्जा

दीपक पवार | मुंबई

म्हाडा की मुंबई शाखा ने गोरेगांव हिल्स में 35 मंजिला ऊंची इमारत का निर्माण किया है, जो म्हाडा की पहली पांच सितारा श्रेणी की ऊंची इमारत मानी जा रही है। अब मुंबई बोर्ड ने इस इमारत के लिए आवासीय प्रमाण पत्र (OC) लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। हाल ही में म्हाडा ने अग्निशमन विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) प्राप्त करने के लिए प्रस्ताव भेजा है। अधिकारियों के अनुसार, अप्रैल 2024 से मकानों के कब्जे की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

किसके लिए?

105 घर उच्च आय वर्ग के लिए

227 घर मध्यम आय वर्ग के लिए

332 नए मकानों का कब्जा सौंपा जाएगा

गोरेगांव हिल्स की यह परियोजना सभी वर्गों के लिए मकानों की पेशकश करती है—अत्यंत निम्न, निम्न, मध्यम और उच्च आय वर्ग। 2023 में लॉटरी के माध्यम से अत्यंत निम्न व निम्न वर्ग के घरों का कब्जा सौंपा जा चुका है। मध्यम और उच्च वर्ग के 332 नए मकानों का निर्माण हाल ही में पूरा हुआ। 2024 की लॉटरी में विजेताओं को मार्च 2024 तक कब्जा देने का वादा किया गया था, लेकिन प्रक्रिया में थोड़ी देरी हुई।

मॉल, कॉलेज और ऑफिस तक जुड़ेंगे पैदल पुल

दीपक पवार | मुंबई

अब मेट्रो स्टेशन से उतरकर सीधे आवासीय परिसरों, मॉल, कॉलेज या ऑफिस पहुंचना संभव होगा। मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) ने 'मल्टीमॉडल इंटीग्रेशन' योजना के तहत मेट्रो स्टेशनों को पैदल पुलों के जरिए प्रमुख स्थानों से जोड़ने का निर्णय लिया है। इस पहल के तहत, पहला पैदल यात्री पुल हाल ही में बोरीवली में देवीपाड़ा मेट्रो स्टेशन से ओबेरॉय स्काई सिटी मॉल तक तैयार कर जनता के लिए खोल दिया गया है।

मेट्रो से मॉल तक सीधी कनेक्टिविटी

ओबेरॉय रियल्टी ने एमएमआरडीए को ओबेरॉय स्काई सिटी मॉल को 'मेट्रो 7' लाइन के देवीपाड़ा मेट्रो स्टेशन से जोड़ने का प्रस्ताव दिया था, जिसे मंजूरी मिल गई। इसके तहत स्टेशन से मॉल तक सीधा पैदल यात्री पुल बनाया गया, जिसका उपयोग अब यात्रियों के लिए शुरू कर दिया गया है।

अब और स्थानों पर बनेंगे पैदल पुल

यह योजना मेट्रो स्टेशनों से आवासीय परिसरों, व्यावसायिक संपत्तियों, स्कूलों और कॉलेजों को जोड़ने का पहला प्रयोग है। एमएमआरडीए ने इच्छुक संपत्ति मालिकों से प्रस्ताव आमंत्रित किए हैं, ताकि अन्य स्थानों पर भी ऐसे पैदल पुल बनाए जा सकें।

खर्च और रखरखाव की जिम्मेदारी निजी क्षेत्र की

पैदल पुल का निर्माण, लागत और रखरखाव संबंधित संपत्ति मालिकों की जिम्मेदारी होगी। एमएमआरडीए केवल मंजूरी और निर्माण की निगरानी करेगा। पहले चरण में दो से तीन पैदल पुलों पर काम शुरू किया गया है। देवीपाड़ा-ओबेरॉय स्काई सिटी मॉल पैदल पुल की सफलता के बाद उम्मीद की जा रही है कि कई आवासीय और व्यावसायिक संपत्ति मालिक इस तरह की कनेक्टिविटी के लिए आगे आएंगे, जिससे यात्रियों को सुगम और सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिलेगी।

नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम लोकनेता दि.बा. पाटील ही होगाः संजीव नाईक

डीबीडी संवाददाता | डोंबिवली

केंद्र सरकार ने देशभर में 40 हवाई अड्डों के नामकरण का निर्णय लिया है, जिसमें नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम लोकनेता दि. बा. पाटील के नाम पर ही रखा जाएगा। केंद्र सरकार के पास कोई अन्य नाम नहीं है, यह बात पूर्व सांसद संजीव नाईक ने शनिवार को लोकनेता दि. बा. पाटील योद्धा सम्मान पुरस्कार समारोह में कही।

कार्यक्रम में कई गणमान्य नेता हुए शामिल

इस मौके पर पूर्व मंत्री कपिल पाटील, पूर्व सांसद रामशेठ ठाकुर, विधायक राजेश मोरे, पूर्व विधायक सुभाष भोईर, दीपेश म्हात्रे, रमेश म्हात्रे, कांग्रेस पदाधिकारी संतोष केणे, दत्ता वझे, शरद पाटिल सहित कई गणमान्य उपस्थित थे।

नामकरण को लेकर सरकार पर दबाव बनाने की अपील

कृति समिति के अध्यक्ष दशरथ पाटिल ने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजीत पवार को जल्द ही इस विषय पर चर्चा करनी चाहिए। सांसद संजीव नाईक ने कहा कि प्रधानमंत्री कार्यालय में यह प्रस्ताव अंतिम कैबिनेट अनुमोदन के लिए लंबित है और राज्य सरकार की ओर से लोकनेता दि. बा. पाटील के अलावा कोई दूसरा नाम प्रस्तावित नहीं किया गया है।

भूमिपुत्रों को रोजगार और प्रशिक्षण देने की जरूरत

पूर्व मंत्री पाटिल ने कहा कि भूमिपुत्रों को प्राथमिकता से रोजगार और व्यवसाय के अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने बताया कि कई लोगों को नौकरियां मिल चुकी हैं, लेकिन अगर इस पर सख्त रुख नहीं अपनाया गया, तो आगे नुकसान उठाना पड़ सकता है।

मुख्यमंत्री से मिलकर नामकरण को प्राथमिकता देने की मांग

संजीव नाईक ने कहा कि सभी को मुख्यमंत्री फडणवीस से मिलकर यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हवाई अड्डे के निर्माण के बाद सबसे पहले उसका नामकरण किया जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस विषय को पूरी तरह से आगे बढ़ाना जरूरी है।

उल्हास नदी प्रदूषण के खिलाफ बेमुद्दत आंदोलन शुरू

डीबीडी संवाददाता | ठाणे/कल्याण

सरकार द्वारा नदी सफाई के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं, लेकिन इसका फायदा केवल ठेकेदारों और नेताओं को मिल रहा है, जबकि नदियां दिन-ब-दिन और ज्यादा मैली होती जा रही हैं। वालधुनी और उल्हास नदी का हाल किसी नाले से कम नहीं रह गया है।

नदी सफाई पर करोड़ों खर्च, लेकिन नतीजा शून्य

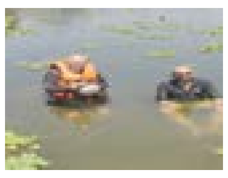

उल्हासनगर मनपा का सफाई विभाग अब तक 6000 डंपर कचरा निकाल चुका है। उल्हास नदी से जलकुंभी हटाने के नाम पर हर साल करोड़ों रुपये खर्च होते हैं, फिर भी कोई सुधार नहीं दिख रहा। बदलापुर में नाले पर दीवार बनाने के लिए 200 करोड़ रुपये मंजूर, लेकिन सवाल उठ रहा है कि क्या इससे नदी में दूषित पानी मिलना बंद हो जाएगा?

प्रदूषण रोकने की मांग

आंदोलनकारियों ने सरकार से कई मांगें रखी हैं। नदी में मिलने वाले घरेलू और औद्योगिक कचरे को रोका जाए। उल्हास नदी को जलकुंभी मुक्त किया जाए। मोहना बांध के पास एक और बांध बनाया जाए। नदी में मिलने वाले कीचड़ और केमिकलयुक्त पानी को हटाया जाए। उल्हास नदी से मराठवाड़ा को दूषित पानी देने की योजना रद्द की जाए। पहले नदी का पानी शुद्ध किया जाए, फिर जरूरतमंदों को जल आपूर्ति दी जाए। मी कल्याणकर सामाजिक संस्था, उल्हास नदी एवं वालधुनी नदी संवर्धन संस्था, हिराली फाउंडेशन, कंडोमपा के पूर्व नगरसेवक नितिन निकम, उमेश बोरगांवकर, कैलास शिंदे और सरिता खानचंदानी सहित कई सामाजिक संगठन इस आंदोलन में शामिल हुए हैं।

पर्यावरण कार्यकर्ताओं का आंदोलन तेज

पिछले 8 वर्षों से पर्यावरण कार्यकर्ता ठाणे, कल्याण, डोंबिवली, उल्हासनगर और बदलापुर में उल्हास नदी को प्रदूषणमुक्त करने की मांग कर रहे हैं। लेकिन सरकार केवल लिखित और मौखिक आश्वासन देकर कार्रवाई से बचती रही है। 22 मार्च, विश्व जल दिवस पर मोहना नाले पर आंदोलनकारियों ने मुंडन कर विरोध जताया और अब नदी के दूषित पानी में खड़े होकर बेमुद्दत आंदोलन शुरू किया गया है।

अवैध होटल पर ठाणे नगर निगम की कार्रवाई

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान से सटे येउर जंगल में अवैध निर्माण का मामला वर्षों से चर्चा में है। इसी कड़ी में शनिवार को यहां एक नए होटल का उद्घाटन होना था, लेकिन इसके अवैध निर्माण को लेकर ठाणे नगर निगम प्रशासन को सोशल मीडिया पर आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा था। स्थानीय लोगों और पर्यावरणविदों ने होटल के कारण बढ़ती अराजकता और ध्वनि प्रदूषण को लेकर चिंता जताई थी।

नगरपालिका की कार्रवाई, पुलिस नाकाबंदी के बाद ध्वस्तीकरण

नगर निगम प्रशासन ने शुक्रवार को होटल निर्माण की जांच की और अनुमति के दस्तावेज मांगे, लेकिन संबंधित पक्ष कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। इसके बावजूद नगर निगम ने दोबारा दस्तावेज प्रस्तुत करने का अवसर दिया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। शनिवार को नगर निगम की टीम ने पुलिस सुरक्षा में निर्माण स्थल पर कार्रवाई की और 40×50 वर्ग फीट के लोहे के एंगल से बने अनधिकृत शेड को ध्वस्त कर दिया।नगर निगम ने स्पष्ट किया कि होटल के लिए कोई वैध अनुमति जारी नहीं की गई थी। अतिक्रमण विभाग की रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की गई। आयुक्त सौरभ राव, उपायुक्त (अतिक्रमण) शंकर पटोले और उपायुक्त (मुख्यालय) जी. जी. गोडेपुरे की निगरानी में यह अभियान चलाया

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय बढ़ेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। अपने व्यसनों पर नियंत्रण रखते हुए कार्य करना चाहिए। व्यापार में कर्मचारियों पर अधिक विश्वास न करें। आर्थिक स्थिति मध्यम रहेगी।

वृष 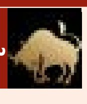 भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। मान बढ़ेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। अपनी बुद्धिमत्ता से आप सही निर्णय लेने में सक्षम होंगे। विकास की योजनाएं बनेंगी। निजीजनों में असंतोष हो सकता है।

मिथुन 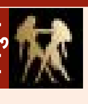 धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रसन्नता रहेगी। भूमि, आवास की समस्या रह सकती है। आजीविका में नवीन प्रस्ताव मिलेगा। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। संतान से कष्ट रहेगा। मेहनत का फल मिलेगा।

कर्क 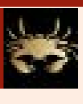 वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। वस्तुएं संभालकर रखें। स्वास्थ्य पर व्यय होगा। विवाद न करें। यात्रा में अपनी वस्तुओं को संभालकर रखें। कर्म के प्रति पूर्ण समर्पण व उत्साह रखें।

सिंह 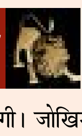 दूसरों से अपेक्षा न करें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। थकान रहेगी। जोखिम न लें। विवाद से बचें। राजकीय सहयोग मिलेगा एवं इस क्षेत्र के व्यक्तियों से संबंध बढ़ेंगे। विद्यार्थियों को प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी।

कन्या 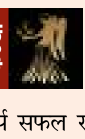 किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। कामकाज में धैर्य रखने से सफलता मिल सकेगी। योजनाएं फलीभूत होंगी। मित्रों में आपका वर्चस्व बढ़ेगा।

तुला 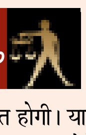 भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। जोखिम न लें। व्यावसायिक चिंता दूर हो सकेगी। स्वयं के सामर्थ्य से ही भाग्योन्नति के अवसर आएंगे।

वृश्चिक 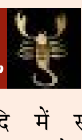 संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। धनार्जन होगा। समाज में प्रसिद्धि के कारण सम्मान में बढ़ौत्री होगी। आजीविका में नवीन प्रस्ताव मिलेंगे।

धनु 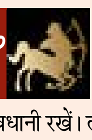 समय ठीक नहीं है। वाहन, मशीनरी व अग्नि के प्रयोग में सावधानी रखें। लेन-देन में सावधानी रखें। विवाद न करें। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। सकारात्मक विचारों के कारण प्रगति के योग आएंगे।

मकर 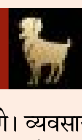 प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। राजकीय काम बनेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। चिंता रहेगी। जोखिम न उठाएं। संतान से मदद मिलेगी। आर्थिक स्थिति में प्रगति की संभावना है।

कुंभ 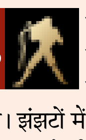 नए अनुबंध होंगे। यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। झंझटों में न पड़ें। शत्रु सक्रिय रहेंगे। कार्य की प्रवृत्ति में यथार्थता व व्यावहारिकता का समावेश आवश्यक है।

मीन 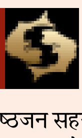 धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। राजकीय बाधा दूर होगी। वरिष्ठजन सहयोग करेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। बुद्धि एवं तर्क से कार्य में सफलता के योग बनेंगे। यात्रा कष्टप्रद हो सकती है।

शादी होने के बाद ही भाग्योदय किनका होगा

आज बात करते है शादी के बाद ही भाग्योदय किनका होगा और क्या शादी कर लेने के बाद ही भाग्योदय हो पायेगा, नौकरी अच्छी लग पाएगी, व्यापार अच्छा शुरू हो पायेगा आदि क्योंकि हम में से कुछ लोगो का भाग्य शादी से जुड़ा होता है ऐसी स्थिति में जितनी जल्दी शादी हो जाएगी उतना जल्दी भाग्योदय होगा साथ ही कब तक हो जाएगी शादी आदि ।

अब समझते है शादी बाद भाग्योदय किनका होगा

कुंडली का 9वा भाव भाग्य और भाग्योदय का है तो 7वा भाव शादी का है अब 9वे भाव और 9वे भाव स्वामी(भाग्य और भाग्य स्वामी) बलवान होकर, कोई राजयोग बनाकर, धन योग आदि अन्य शुभ स्थिति में शुभ बलवान 7वे भाव स्वामी(विवाह स्वामी ग्रह) से सबन्ध बनाकर कुंडली मे शुभ स्थिति में बैठा है तब शादी कर लेने के बाद ही भाग्योदय होगा क्योंकि यहाँ भाग्य भाव का सम्बब्ध राजयोग बनाकर शादी वाले भाव से बन गया है या बन रहा है तो जीवनसाथी की प्राप्ति के बाद,

शादी हो जाने के बाद ही भाग्योदय हो पायेगा क्योंकि ऐसी स्थिति में भाग्य शादी से जुड़ जाता है।अब आगे, 7वे भाव स्वामी और 9वे भाव स्वामी का

प्रियंका जैन
9769994439

जितना ज्यादा से ज्यादा शुभ स्थिति में ,जितने ज्यादा से ज्यादा शुभ भाव मे कुंडली के सम्बन्ध बनेगा या बन रहा है उतना ही शानदार और अच्छा भाग्योदय, अच्छी नौकरी/अच्छा बिजनेस, अच्छी सफ़लता,अच्छी धन स्थिति, अच्छी लक्ज़री लाइफ आदि सम्बन्धी भाग्योदय होगा।अब कुछ उदाहरणो से समझते है शादी कर लेने या शादी हो जाने के बाद ही भाग्योदय किनका होगा, किनकी अच्छी नौकरी,व्यापार मिलेगा, सफलता ,धन-वैभव, आदि मिलकर भाग्योदय होगा और कौन करे जल्दी शादी और कब तक शादी होकर भाग्योदय हो जाएगा आदि।

उदाहरण_अनुसार_मेष_लग्न1:-

मेष लग्न में भाग्य स्वामी(9वे भाव स्वामी) गुरु बलवान होकर 7वे भाव स्वामी(विवाह भाव स्वामी)शुक्र से सम्बब्ध बनाकर बैठे है तब शादी होने से ही भाग्योदय होगा अब यहाँ 9वे भाव मे या 9वे भाव स्वामी गुरु से अन्य ग्रह जैसे मंगल चन्द्र सूर्य सम्बब्ध ज्यादा से ज्यादा शुभ स्थिति में बना रहे है तब बहुत बड़े स्तर पर भाग्योदय होगा शादी कर लेने के बाद, मकान, वाहन, धन, अच्छी कैरियर सफलता आदि के संबध में।।

उदाहरण_अनुसार_धनु_लग्न2:-

धनु लग्न में 9वे भाव भाग्य स्वामी सूर्य बलवान होकर भाग्य स्वामी 7वे भाव स्वामी बुध से शुभ स्थिति में सम्बब्ध बनाकर बैठे है और बुध अस्त नही है तब शादी बाद भाग्योदय होगा, यहाँ भाग्य स्वामी सूर्य ज्यादा से ज्यादा शुभ भाव मे माना 5वे भाव मे है बुध सहित और यहाँ अन्य ग्रह भी शुभ स्थिति में सूर्य से या 9वे भाव से सम्बब्ध कर रहे है तब बहुत बड़े स्तर पर अच्छा भाग्योदय शादी कर लेने के बाद ही होगा, जितनी जल्दी शादी की जाएगी उतना जल्दी भाग्योदय कैरियर, धन, मकान वाहन, सफलता आदि को लेकर होगा।।

पलामू में थाना प्रभारी समेत 3 पुलिस अधिकारी निलंबित

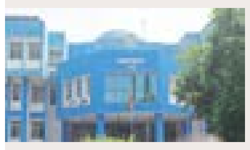

पलामू। आम लोगों से दुर्व्यवहार के मामलों में बड़ी कार्रवाई करते हुए एसपी रीष्मा रमेशन ने थाना प्रभारी समेत तीन पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। निलंबित अधिकारियों में नावाबाजार थाना प्रभारी चिंटू कुमार, छत्तरपुर और पिपरा थाना में तैनात एक-एक एएसआई शामिल हैं। नावाबाजार थाना प्रभारी पर आरोप है कि उन्होंने लूटकांड के आरोपी की पिटाई की, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया और रांची में उसका इलाज चल रहा है। आरोपी के परिजनों ने कोर्ट में परिवाद दायर किया था। छत्तरपुर में होली के दौरान एक वारंटी को पकड़ने गई पुलिस टीम ने उसकी पिटाई कर दी, जिसकी शिकायत वरीय पुलिस अधिकारियों से की गई थी। पिपरा थाना में तैनात एएसआई पर होली के दौरान शराब के नशे में वरीय अधिकारियों और होमगार्ड जवान से दुर्व्यवहार करने का आरोप है। पूरे मामले की जांच रिपोर्ट के आधार पर एसपी ने तीनों अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। नावाबाजार थाना प्रभारी चिंटू कुमार की जगह हुसैनाबाद थाना के सब-इंस्पेक्टर संजय कुमार को नया थाना प्रभारी नियुक्त किया गया है।

करोड़ों का घोटाला करने के आरोपी सौरभ शर्मा मामले में एक और बड़ा खुलासा

ग्वालियर। आयकर, लोकायुक्त और ईडी की जांच के बाद अब ग्वालियर पुलिस ने भी पूर्व परिवहन आरक्षक सौरभ शर्मा पर शिकंजा कस दिया है। सिरोल थाने में सौरभ शर्मा और उनकी मां उमा शर्मा के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है। आरोप है कि दोनों ने झूठा शपथ पत्र देकर फर्जी अनुकंपा नियुक्ति हासिल की। परिवहन विभाग के डिप्टी कमिश्नर किरण शर्मा की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की गई है। आरोप है कि सौरभ शर्मा की परिवहन विभाग में अनुकंपा नियुक्ति फर्जी दस्तावेजों के आधार पर हुई। सौरभ शर्मा पहले से ही आयकर विभाग, लोकायुक्त और ईडी की जांच के दायरे में हैं। अब पुलिस की कार्रवाई के बाद यह मामला और बड़ा हो सकता है। इस फर्जीवाड़े में प्रदेश के कई राजनेताओं और अधिकारियों के नाम सामने आने की संभावना जताई जा रही है।

सचिन पायलट के गढ़ में अशोक गहलोत का शक्ति प्रदर्शन

जयपुर। कांग्रेस के दिग्गज नेता और राजस्थान के तीन बार मुख्यमंत्री रहे अशोक गहलोत ने विधानसभा चुनाव के करीब डेढ़ साल बाद पहली बार सियासी दौरा किया। शुक्रवार और शनिवार को पूर्वी राजस्थान के अपने दो दिवसीय दौरे में उन्होंने अपनी लोकप्रियता और राजनीतिक ताकत का प्रदर्शन किया। दिलचस्प बात यह है कि गहलोत ने अपने दौरे की शुरुआत पूर्वी राजस्थान से की, जो पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का गढ़ माना जाता है। गहलोत और पायलट की राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता जगजाहिर है, और उनके इस दौरे से राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। गहलोत के बस्सी, सिकंदरा, दौसा, महवा और भरतपुर दौरे के दौरान कार्यकर्ताओं और समर्थकों की जबरदस्त भीड़ उमड़ी। इससे गहलोत समर्थक खेमा बेहद उत्साहित है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि गहलोत ने हरियाणा और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में चुनावी पर्यवेक्षक की भूमिका निभाई, लेकिन राजस्थान में वह पहली बार इतने सक्रिय नजर आए। गहलोत ने अपने दौरे में प्रदेश की भजनलाल सरकार और केंद्र की मोदी सरकार पर तीखे हमले किए। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से संवाद कर आगामी रणनीति को लेकर भी चर्चा की। गहलोत की अचानक बढ़ी सक्रियता से कांग्रेस की राजनीति में बड़े बदलाव के संकेत मिल रहे हैं। राजनीतिक जानकार मान रहे हैं कि गहलोत फिर से राजस्थान की राजनीति में अपनी मजबूत पकड़ दिखाने की कोशिश कर रहे हैं। अब देखना होगा कि इसका प्रदेश की सियासत पर क्या असर पड़ता है।

केंद्र से फिर टकराने के मूड में हेमंत सरकार

▸▸ झारखंड सरकार का केंद्र पर अनुदान में कटौती का आरोप

एजेंसी । रांची

झारखंड में हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली सरकार एक बार फिर केंद्र से टकराव के मूड में नजर आ रही है। सरकार ने केंद्र सरकार पर प्रायोजित योजनाओं के अनुदान में कटौती का आरोप लगाया है, जिससे राज्य का विकास प्रभावित हुआ है।

केंद्र के सौतेले रवैये का आरोप

विधानसभा में कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव के सवाल पर संसदीय कार्य मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि सरकार जल्द ही केंद्र से मिलने वाले अनुदान, ऋण और प्रायोजित योजनाओं के प्रभाव का अध्ययन करेगी। उन्होंने दावा किया कि केंद्र सरकार झारखंड के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है, जिससे राज्य की वित्तीय स्थिति प्रभावित हो रही है।

सरकार करेगी तुलनात्मक अध्ययन

मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि सरकार झारखंड और पड़ोसी राज्यों को मिले अनुदानों की तुलना कर व्यापक अध्ययन करेगी और एक रिपोर्ट सार्वजनिक की जाएगी।

हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने भी उठाए सवाल

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी सह गांडेय विधायक कल्पना सोरेन ने भी केंद्र से मिले ऋण के बारे में जानना चाहा. सुदिव्य कुमार ने कहा कि राज्य को केंद्र से 2008-09 से 2013-14 तक 20,825 करोड़ रुपये, 2014-15 और 2018-19 के बीच 42,956 करोड़ रुपये और 2019-20 में 9,593 करोड़ रुपये ऋण के रूप में मिले।

झारखंड को कितनी राशि मिली?

सरकार ने अपने लिखित जवाब में कहा कि झारखंड को केंद्र प्रायोजित योजनाओं के लिए केंद्र से अनुदान के रूप में 2022-23 में 8,828.89 करोड़ रुपये, 2023-24 में 8,980.63 करोड़ रुपये और चालू वित्त वर्ष 2024-25 में जनवरी तक 5,736.27 करोड़ रुपये मिले।

बिहार और झारखंड की तुलना

कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव ने झारखंड को दिए गए केंद्रीय अनुदान की तुलना बिहार से करते हुए सवाल उठाया कि 2023-24 में बिहार को 1.65 लाख करोड़ रुपये मिले, जबकि झारखंड को सिर्फ 46,000 करोड़ रुपये। उन्होंने केंद्रीय अनुदानों के तुलनात्मक अध्ययन की मांग की।

दिल्ली भरोसे उत्तराखंड का 'फैसला'

बीजेपी हाईकमान जल्द करेगी कैबिनेट विस्तार और प्रदेश अध्यक्ष पर फैसला

एजेंसी । देहरादून

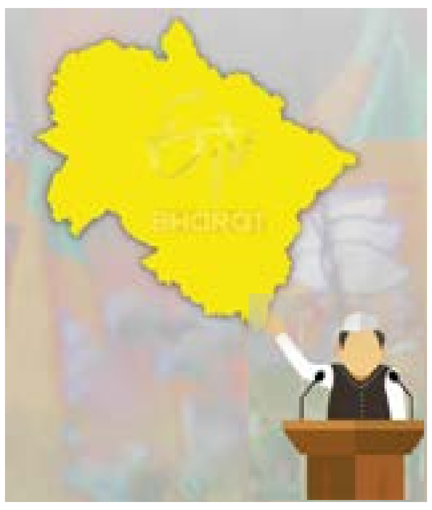

उत्तराखंड में सरकार और संगठन दोनों में बड़े बदलाव की अटकलें तेज हो गई हैं। कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल के इस्तीफे के बाद कैबिनेट विस्तार को लेकर चर्चाएं जोरों पर हैं। वहीं, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बदलने की संभावनाएं भी जताई जा रही हैं। इन दोनों फैसलों पर पूरे प्रदेश की नजरें दिल्ली पर टिकी हुई हैं।

धामी सरकार का कैबिनेट विस्तार जल्द

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दिल्ली में पार्टी नेतृत्व से मुलाकात की है। उनके साथ आशा नौटियाल, आदेश चौहान, प्रदीप बत्रा, विनोद कंडारी, प्रीतम पंवार, खजान दास, अरविंद पांडेय और शिव अरोड़ा सहित कई विधायक भी दिल्ली पहुंचे। धामी कैबिनेट में अभी 5 पद खाली हैं, जबकि मुख्यमंत्री के पास अकेले 50 से ज्यादा महत्वपूर्ण विभाग हैं। ऐसे में कुछ मंत्रियों के हटने और नए चेहरों को मौका मिलने की संभावना जताई जा रही है।

प्रदेश अध्यक्ष पर भी जल्द होगा फैसला

बीजेपी के मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष राज्यसभा सांसद हैं, और उनकी नई जिम्मेदारी के चलते संगठन में बदलाव की सुगबुगाहट पहले से ही चल रही थी। अब इस पर दिल्ली में हाईकमान मंथन कर रहा है। नए प्रदेश अध्यक्ष के लिए कई नाम सामने आ रहे हैं, लेकिन अंतिम फैसला बीजेपी नेतृत्व को लेना है।

दिल्ली में मंथन जारी, जल्द हो सकता है बड़ा ऐलान

उत्तराखंड में कैबिनेट विस्तार और प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर अगले कुछ दिनों में बड़ा ऐलान हो सकता है। बीजेपी हाईकमान दोनों फैसलों पर अंतिम मुहर लगाने के लिए गहन विचार-विमर्श कर रहा है।

भाजपा नेता ने पत्नी और बच्चों को मारी गोली

▸▸ तीनों मासूमों की मौत, पत्नी गंभीर रूप से घायल

एजेंसी । सहारनपुर

मेरठ के सौरभ हत्याकांड के सदमे से लोग उबरे भी नहीं थे कि सहारनपुर में भाजपा नेता ने बड़ी वारदात को अंजाम दिया। जनपद के गंगोह के सांगाठेड़ा गांव में शनिवार को एक खौफनाक वारदात ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। भाजपा नेता योगेश रोहिला ने अपनी पत्नी और तीन मासूम बच्चों को अपनी लाइसेंसी पिस्टल से गोली मार दी। इस भयावह वारदात में उनके 3 मासूम बच्चों की मौत हो गई, जबकि पत्नी गंभीर रूप से घायल है।

पत्नी पर शक बना हत्या की वजह, पुलिस कर रही जांच

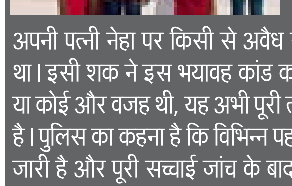

पुलिस की शुरुआती जांच में यह बात सामने आ रही है कि योगेश को अपनी पत्नी नेहा पर किसी से अवैध संबंध का शक था। इसी शक ने इस भयावह कांड को अंजाम दिया या कोई और वजह थी, यह अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। पुलिस का कहना है कि विभिन्न पहलुओं पर जांच जारी है और पूरी सच्चाई जांच के बाद ही सामने आ सकेगी।

दरवाजा खोला, पुलिस को कॉल किया और कहा मैंने सबको गोली मार दी!

वारदात के समय गोलियों की आवाज सुनकर पास-पड़ोस के लोग और योगेश के चाचा मौके पर पहुंचे, लेकिन घर का दरवाजा अंदर से बंद था। काफी देर तक दरवाजा खटखटाने के बाद योगेश ने दरवाजा खोला और पुलिस को फोन करते हुए बोला- मैंने अपनी पत्नी और बच्चों को गोली मार दी है। हैरानी की बात यह रही कि उसने भागने की कोई कोशिश नहीं की।

आईएसएस अभिषेक प्रकाश हुए निलंबित

▸▸ प्रथमेश कुमार बने इन्वेस्ट यूपी के नए सीईओ

एजेंसी । लखनऊ

योगी सरकार ने IAS अभिषेक प्रकाश को निलंबित कर दिया है। उन पर इन्वेस्ट यूपी के सीईओ के रूप में कार्यरत रहते हुए बिजनेसमैन से 5% कमीशन मांगने का आरोप है। निलंबन के बाद लखनऊ विकास प्राधिकरण (LDA) के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार को इन्वेस्ट यूपी का नया सीईओ नियुक्त किया गया है।

क्या है पूरा मामला?

निकांत जैन पर सोलर इंडस्ट्री प्रोजेक्ट की मंजूरी के लिए एक बिजनेसमैन से 5% कमीशन मांगने का आरोप है। पूछताछ में निकांत जैन ने स्वीकार किया कि वह यह कमीशन अभिषेक प्रकाश के लिए ही मांग रहा था।

एसटीएफ की कार्रवाई, करीबी बाबू निकांत जैन गिरफ्तार

स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने अभिषेक प्रकाश के करीबी बाबू निकांत जैन को गिरफ्तार कर लिया है। जैन के खिलाफ गोमती नगर थाने में गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है।

चुनमुन झा का हुआ एनकाउंटर

तनिष्क ज्वेलरी शॉप ज्वेलरी लूट कांड में था वांटेड

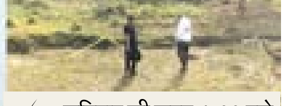

> शनिवार की सुबह 4:00 बजे चुनमुन झा का एनकाउंटर किया गया. इस एनकाउंटर में एक अपराधी मौके से फरार हो गया. एनकाउंटर नरपतगंज के थाना नहर के पास हुआ था. कुख्यात चुनमुन झा के सीने में दो गोली लगी थी और ढेर हो गया. इस एनकाउंटर में STF के तीन जवान और नरपतगंज थाना प्रभारी विकास कुमार भी जख्मी हो गए हैं।
>
> **अंजनी कुमार, एसपी, अररिया**

बिहार। बिहार के अररिया जिले में शुक्रवार देर रात एक बड़ी पुलिस कार्रवाई हुई, जिसमें कुख्यात अपराधी चुनमुन झा मुठभेड़ में मारा गया। यह एनकाउंटर नरपतगंज थाना क्षेत्र के थलहा नहर के पास रात करीब 2:30 बजे हुआ। पुलिस और स्पेशल टास्क फोर्स (STF) की टीम चुनमुन झा को पकड़ने गई थी, जो लूटपाट की कई घटनाओं में वांटेड था। मुठभेड़ में चुनमुन की मौत हो गई, जबकि छह पुलिसकर्मी भी घायल हो गए। घायलों का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। चुनमुन झा अररिया जिले के पलासी थाना के ही मजलिसपुर का रहने वाला था।

357 अवैध ऑनलाइन गेमिंग वेबसाइट ब्लॉक

▸▸ 2,400 बैंक खाते जब्त

एजेंसी । नई दिल्ली

सरकार ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की शुरुआत से पहले अवैध ऑनलाइन मनी गेमिंग प्लेटफॉर्म्स पर बड़ी कार्रवाई की है। वस्तु एवं सेवा कर खुफिया महानिदेशालय (डीजीजीआई) ने 357 अवैध गेमिंग वेबसाइट और यूआरएल को ब्लॉक कर दिया है, जबकि 700 से अधिक संस्थाओं को जांच के दायरे में रखा गया है।

392 खातों की डेबिट फ्रीज किया गया

वित्त मंत्रालय ने शनिवार को जानकारी दी कि विदेश से संचालित अवैध ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों की 357 वेबसाइटों को ब्लॉक किया गया है। इसके अलावा 700 से अधिक संस्थाओं की जांच जारी है। करीब 2,400 बैंक खाते जब्त किए गए हैं। आई4सी और एनपीसीआई के समन्वय में 2,000 बैंक खाते और 4 करोड़ रुपये जब्त किए गए हैं। 392 बैंक खातों को डेबिट फ्रीज कर उनमें रखी 122.05 करोड़ रुपये की राशि अस्थायी रूप से जब्त की गई है।

बॉलीवुड सितारों और क्रिकेटर्स को भी चेतावनी

मंत्रालय ने बॉलीवुड सितारों, क्रिकेट खिलाड़ियों और सोशल मीडिया प्रभावशाली व्यक्तियों को भी आगाह किया है कि अगर वे इन अवैध गेमिंग प्लेटफार्म्स का समर्थन करते हैं, तो भी लोग उनसे न जुड़ें।

आईटी एक्ट के तहत हुई कार्रवाई

डीजीजीआई ने इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सहयोग से आईटी अधिनियम, 2000 की धारा 69 के तहत 357 गैर-अनुपालन वाली गेमिंग वेबसाइटों को ब्लॉक किया है। वित्त मंत्रालय के अनुसार, कई ऑफशोर गेमिंग कंपनियां पंजीकरण नहीं करवा रही थीं, कर योग्य भुगतानों को छिपा रही थीं और जीएसटी चोरी कर रही थीं।

आईपीएल से पहले सख्त कार्रवाई होगी

सरकार ने स्पष्ट किया कि आईपीएल 2024 के साथ अवैध गेमिंग गतिविधियों को रोकने के लिए प्रवर्तन और कड़ा किया जाएगा। डीजीजीआई अवैध ऑफशोर गेमिंग संस्थाओं के खतरे से निपटने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

लंदन के लिए एयर इंडिया और अन्य एयरलाइंस ने उड़ानें बहाल कीं

एजेंसी । नई दिल्ली

एयर इंडिया, वर्जिन अटलांटिक और ब्रिटिश एयरवेज ने नई दिल्ली से लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट (LHR) के लिए अपनी निर्धारित उड़ानें फिर से शुरू कर दी हैं। हीथ्रो एयरपोर्ट प्रशासन ने 'एक्स' पर पोस्ट कर बताया कि हवाई अड्डा पूरी तरह से चालू है और उड़ानें सामान्य हो गई हैं।

उड़ानें फिर से संचालित

आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, शनिवार सुबह से एयर इंडिया, ब्रिटिश एयरवेज और वर्जिन अटलांटिक की उड़ानें लंदन के लिए रवाना हुईं। एयर इंडिया की दिल्ली से हीथ्रो के लिए छह उड़ानें हैं। ब्रिटिश एयरवेज की भारत से प्रतिदिन आठ उड़ानें (मुंबई से तीन, दिल्ली से दो) संचालित होती हैं। वर्जिन अटलांटिक की दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु से एलएचआर के लिए पांच दैनिक उड़ानें हैं।

बिजली बाधित होने से 18 घंटे रुका था संचालन

गौरतलब है कि लंदन स्थित हीथ्रो एयरपोर्ट के पास एक बिजली उपकेंद्र में आग लगने से बिजली आपूर्ति बाधित हो गई थी, जिसके चलते हवाई अड्डे पर करीब 18 घंटे तक विमानों का परिचालन ठप रहा। अब परिचालन सामान्य कर दिया गया है और सभी उड़ानें सुचारु रूप से संचालित हो रही हैं।

सरकार ने 10 पीएलआई योजनाओं के तहत जारी किए 14,020 करोड़ रुपये

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई पीएलआई योजना के तहत इलेक्ट्रॉनिक्स और फार्मा सहित दस क्षेत्रों के लिए 14,020 करोड़ रुपये जारी किए हैं। इस योजना ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त होने वाले वित्त वर्ष तक 15.52 लाख करोड़ रुपये के लक्ष्य के मुकाबले लगभग 14 लाख करोड़ रुपये की बिक्री उत्पन्न की है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने शनिवार को जारी एक बयान में कहा, "10 क्षेत्रों के लिए पीएलआई योजनाओं के तहत करीब 14,020 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि जारी की गई है।" मंत्रालय ने कहा, "अधिकांश परियोजनाएं कार्यान्वयन के चरण में हैं और समय आने पर प्रोत्साहन दावे दायर किए जाएंगे।" ये क्षेत्र इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण, आईटी हार्डवेयर, थोक दवाएं, चिकित्सा उपकरण, फार्मास्यूटिकल्स, दूरसंचार और नेटवर्किंग उत्पाद, खाद्य प्रसंस्करण, व्हाइट गुड्स, वाहन और ऑटो घटक तथा ड्रोन हैं।

मिजोरम से सिंगापुर को पहली बार हुआ एंथुरियम फूलों का निर्यात

एजेंसी । नई दिल्ली

कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीईडीए) ने मिजोरम के आइजोल से सिंगापुर के लिए एंथुरियम फूलों की पहली खेप सफलतापूर्वक निर्यात की है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार, 26 फरवरी, 2025 को 50 नालीदार बक्सों में पैक किए गए 1,024 एंथुरियम फूल (कुल वजन 70 किलोग्राम) कोलकाता के रास्ते सिंगापुर भेजे गए। यह निर्यात आईवीसी एग्रोवेट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया गया। एपीईडीए के अध्यक्ष अभिषेक देव और मिजोरम

राज्य बागवानी विभाग की विशेष सचिव रामदिन लियानी ने इस खेप को रवाना किया। इस अवसर पर एपीईडीए, बागवानी विभाग, जो एंथुरियम ग्रोवर्स कोऑपरेटिव सोसाइटी, आईवीसी एग्रोवेट प्राइवेट लिमिटेड और वेज प्रो सिंगापुर प्राइवेट लिमिटेड के अधिकारी मौजूद थे।

बैंकों के कर्ज में 11.1% की बढ़ोतरी

जमा राशि 181.28 लाख करोड़ रुपये पहुंची

एजेंसी । नई दिल्ली

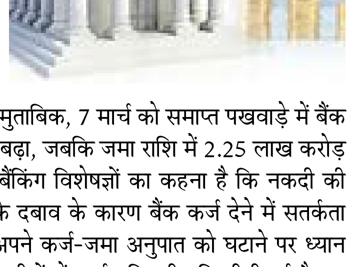

देश में बैंकों का कर्ज 7 मार्च को समाप्त पखवाड़े तक सालाना आधार पर 11.1% की वृद्धि के साथ 225.10 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। इसी अवधि में बैंकों में जमा राशि 10.2% बढ़कर 181.28 लाख करोड़ रुपये हो गई। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, 7 मार्च को समाप्त पखवाड़े में बैंक कर्ज 1.38 लाख करोड़ रुपये बढ़ा, जबकि जमा राशि में 2.25 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की गई। बैंकिंग विशेषज्ञों का कहना है कि नकदी की कमी और जमा राशि जुटाने के दबाव के कारण बैंक कर्ज देने में सतर्कता बरत रहे हैं। कई निजी बैंक अपने कर्ज-जमा अनुपात को घटाने पर ध्यान दे रहे हैं, जिससे पिछले कुछ महीनों में कर्ज वृद्धि की गति धीमी हुई है।

महिंद्रा के वाहन भी तीन फीसदी तक होंगे महंगे

एजेंसी । मुंबई

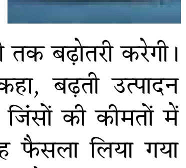

महिंद्रा एंड महिंद्रा भी अप्रैल से एसयूवी व वाणिज्यिक वाहनों की कीमतों में तीन फीसदी तक बढ़ोतरी करेगी। कंपनी ने कहा, बढ़ती उत्पादन लागत और जिंसों की कीमतों में वृद्धि से यह फैसला लिया गया है। मारुति समेत कई कंपनियां भी दाम बढ़ाने की घोषणा कर चुकी हैं।

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है
मुंबई, रविवार, 23 मार्च 2025

सुपर संडे को डबल धमाल

इंडियन प्रीमियर लीग 2025 का शनिवार, 22 मार्च से आगाज हुआ। अब रविवार को डबल धमाल देखने को मिलने वाला है। IPL 2025 के दूसरे दिन डबल हेडर मुकाबले होंगे। दिन के पहले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद की टक्कर राजस्थान रॉयल्स से होगी। वहीं शाम को लीग की 2 सबसे सफल टीम चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस टकराएंगी। दोनों ही टीमों ने आईपीएल में 5-5 बार खिताब पर कब्जा जमाया है। अब फैंस को चेन्नई और मुंबई के बीच होने वाले महामुकाबले का बेसब्री से इंतजार है।

जीत के साथ अभियान की शुरुआत करना चाहेगी सनराइजर्स हैदराबाद

एजेंसी । हैदराबाद

पिछले सीजन की उपविजेता सनराइजर्स हैदराबाद (SRH) रविवार को अपने पहले मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स (RR) के खिलाफ जोरदार आगाज करने उतरेगी। यह मुकाबला हैदराबाद के राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में खेला जाएगा। SRH की टीम विनाशकारी बल्लेबाजी और अनुभवी गेंदबाजी आक्रमण के साथ मैदान में उतरेगी, जिससे उन्हें इस मुकाबले में फेवरेट माना जा रहा है।

विस्फोटक बल्लेबाजी है SRH की ताकत

सनराइजर्स हैदराबाद के पास ट्रैविस हेड, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और हेनरिक क्लासेन जैसे धाकड़ बल्लेबाज हैं, जो किसी भी मैच में 300 रन का आंकड़ा पार करने का दम रखते हैं। पिछले सीजन में SRH ने तीन मौकों पर 250+ स्कोर बनाया था, जिसमें RCB के खिलाफ रिकॉर्ड 287 रन और MI के खिलाफ 277 रन शामिल हैं।

SRH को ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी की वापसी से बढ़त

SRH को ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी की चोट से वापसी का फायदा मिलेगा। इसके अलावा, अभिषेक शर्मा जबरदस्त फॉर्म में हैं। उन्होंने हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ टी20 मैच में 54 गेंदों पर 135 रन ठोके थे।

RR को कमजोर गेंदबाजी से जूझना पड़ सकता है

राजस्थान रॉयल्स के गेंदबाजी आक्रमण में जोफ्रा आर्चर को छोड़कर गहराई की कमी दिखती है। ऐसे में SRH की टीम बल्लेबाजी के अनुकूल पिच पर बड़ा स्कोर खड़ा करने का प्रयास करेगी।

गेंदबाजी में SRH का पलड़ा भारी

SRH की गेंदबाजी इकाई में कप्तान पैट कमिंस और मोहम्मद शमी के रूप में अनुभवी तेज गेंदबाज हैं। वहीं, एडम जम्पा जैसे स्पिनर टीम को विविधता प्रदान करते हैं।

संजू सैमसन चोटिल

RR के कप्तान संजू सैमसन उंगली की चोट के कारण फील्डिंग और विकेटकीपिंग नहीं कर पाएंगे। इस वजह से टीम में रणनीतिक बदलाव करना पड़ेगा और रियान पराग पहले तीन मैचों के लिए टीम की कमान संभालेंगे।

स्पिन आक्रमण के दम पर मुंबई पर शिकंजा कसना चाहेगी चेन्नई सुपर किंग्स

एजेंसी । चेन्नई

आईपीएल 2024 के अपने पहले मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स रविवार को एमए चिदंबरम स्टेडियम में मुंबई इंडियंस (MI) का सामना करेगी। स्पिन गेंदबाजों की मददगार पिच और घरेलू मैदान का फायदा उठाते हुए CSK की टीम मैच में फेवरेट मानी जा रही है। पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स ने पिछले साल रविचंद्रन अश्विन, नूर अहमद, श्रेयस गोपाल और दीपक हुड्डा को टीम में जोड़कर स्पिन आक्रमण को मजबूत किया था। पहले से ही टीम में रवींद्र जडेजा जैसे अनुभवी स्पिनर मौजूद हैं। चेन्नई की पिच धीमी गेंदबाजों को मदद करती है।

मुंबई को बुमराह और हार्दिक की कमी खलेगी

मुंबई इंडियंस को इस मैच में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और कप्तान हार्दिक पंड्या की गैरमौजूदगी से बड़ा झटका लगा है। बुमराह चोट से उबरने के बाद वापसी की प्रक्रिया में हैं, जबकि हार्दिक पर धीमी ओवर गति के कारण एक मैच का प्रतिबंध लगा है। ऐसे में सूर्यकुमार यादव पहले मैच में मुंबई की कप्तानी करेंगे।

CSK की बल्लेबाजी संयोजन पर नजर

CSK के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के साथ रचिन रवींद्र या डेवोन कॉनवे ओपनिंग कर सकते हैं। मध्यक्रम में राहुल त्रिपाठी, शिवम दुबे, दीपक हुड्डा और विजय शंकर जैसे भारतीय बल्लेबाज मौजूद हैं। वहीं, फिनिशर की भूमिका में धोनी और जडेजा होंगे।

MI का शीर्ष क्रम और संभावित चुनौतियां

मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजी क्रम में बदलाव देखने को मिल सकते हैं। ईशान किशन की अनुपस्थिति में दक्षिण अफ्रीकी विकेटकीपर बल्लेबाज रयान रिकेल्टन ओपनिंग कर सकते हैं। मध्यक्रम में सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा और विल जैक्स की अहम भूमिका होगी। मुंबई के स्पिन आक्रमण की जिम्मेदारी मिशेल सेंटनर, कर्ण शर्मा और मुजीब उर रहमान के कंधों पर होगी।

CSK का MI के खिलाफ हालिया दबदबा

चेन्नई सुपर किंग्स का मुंबई इंडियंस के खिलाफ हालिया रिकॉर्ड शानदार रहा है। पिछले पांच मुकाबलों में से चार में CSK ने जीत दर्ज की। ऐसे में मुंबई को जीत के लिए एक खास रणनीति अपनानी होगी।

चोटिल मैट हेनरी टी-20 सीरीज से बाहर

जैक फाउलकेस टीम में बरकरार

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी चोट के कारण पाकिस्तान के खिलाफ टी-20 सीरीज के शेष मैचों से बाहर हो गए हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने शनिवार को इसकी पुष्टि की और बताया कि हेनरी अब अपनी रिकवरी पर ध्यान देंगे। मैट हेनरी को चैंपियंस ट्रॉफी सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फील्डिंग के दौरान दाएं कंधे में चोट लग गई थी। इसके अलावा, घुटने की समस्या के कारण वह भारत के खिलाफ फाइनल मुकाबले से भी बाहर हो गए थे।

जैक फाउलकेस को मिला मौका

हेनरी की गैरमौजूदगी में जैक फाउलकेस को टीम में बरकरार रखा गया है, जबकि विल ओ रुर्के को काइल जैमीसन की जगह अंतिम दो मैचों में शामिल किया गया है। जैमीसन ने दूसरे मैच में हिस्सा नहीं लिया था, जबकि तीसरे मैच में उनका प्रदर्शन खराब रहा।

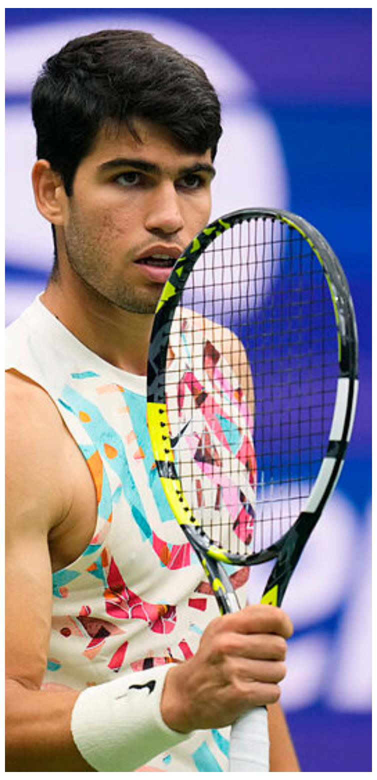

गॉफिन ने अल्काराज को हरा दूसरे दौर में किया बाहर

फ्लोरिडा। चार बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज मियामी ओपन के दूसरे दौर में ही बाहर हो गए। बेलिज्यम के अनुभवी डेविड गॉफिन ने शुक्रवार रात खेले गए मैच में एक सेट से पिछड़ने के बाद उन पर 5-7, 6-4, 6-3 से सनसनीखेज जीत दर्ज की। एक अन्य मैच में नोवाक जोकोविच ने ऑस्ट्रेलिया के रिंकी हिजिकाटा पर 6-0, 7-6 की जीत के साथ अपने तीन मैचों की हार का सिलसिला तोड़ दिया।

खराब रहा मेरा प्रदर्शन

21 वर्षीय अल्काराज ने कहा, मुझे लगा कि मैं अच्छा खेलूंगा, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। मेरे कदम ठीक नहीं चल रहे थे। मैं न तो घायल था और न ही बीमार। मैच से पहले मैं फिट महसूस कर रहा था। सही मायनो में सामान्य तौर पर मेरा प्रदर्शन खराब रहा। दूसरी ओर गॉफिन ने कहा, यह ऐसी रात है जिसे मैं बेशक हमेशा रूप से याद रखूंगा। अल्काराज के खिलाफ और ऐसे स्टेडियम में जीत हासिल करना अविस्मणीय है।

लगातार दूसरी बार हराया

दूसरे वरीय स्पेन के दिग्गज अल्काराज को विश्व में 55वें नंबर के खिलाड़ी गॉफिन ने लगातार दूसरी बार हराया है। अल्काराज ने गॉफिन के खिलाफ 42 बेजां गलतियां कीं, जो दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी को हराने वाले शीर्ष-30 से बाहर के पहले खिलाड़ी हैं। कुल मिलाकर तीन मैच में अब तक अल्काराज एक बार ही गॉफिन से जीत सके हैं, वह भी चार साल पहले मेलबर्न में। गॉफिन ने इससे पहले 2022 में अस्ताना में अल्काराज को हराया था। स्पेन के अल्काराज ने 2022 में मियामी ओपन का खिताब जीता था।

निकहत जरीन मई में करेंगी रिंग में वापसी, चोट से उबरीं

एजेंसी । ग्रेटर नोएडा

दो बार की विश्व चैंपियन मुक्केबाज निकहत जरीन ने कहा कि वह अब चोटों से पूरी तरह मुक्त हैं और मई में वापसी का लक्ष्य बना रही हैं। घुटने की चोट (मेनिस्कस) से उबरने के बाद निकहत अब विश्व चैंपियनशिप और विश्व कप पर फोकस कर रही हैं, जिसकी मेजबानी भारत करेगा। 28 वर्षीय निकहत जरीन को पेरिस ओलंपिक के बाद घुटने में चोट लगी थी, जिससे उबरने के लिए तीन-चार महीने के रिहैबिलिटेशन की जरूरत पड़ी। अब वह पूरी तरह फिट हैं और मई में रिंग में वापसी के लिए तैयार हैं। निकहत जरीन का पेरिस ओलंपिक में सफर राउंड ऑफ 16 में समाप्त हो गया था। उन्होंने कहा, ₹मैंने इसे स्वीकार कर लिया है। हारना ठीक है। अब भविष्य पर ध्यान केंद्रित करने और आगे बढ़ने का समय है। 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में मुक्केबाजी को शामिल किए जाने की घोषणा से निकहत उत्साहित हैं और अगले बड़े टूर्नामेंट्स में दमदार वापसी की तैयारी में जुटी हैं।

बॉ ली वु ड

अल्लू अर्जुन बने भारत के सबसे महंगे स्टार

अल्लू अर्जुन ने यूं तो कई फिल्मों में काम किया है, लेकिन पुष्पा ने उन्हें रातों-रात स्टार बना दिया था। फिल्म से अल्लू देशभर में मशहूर हो गए थे और इसके लिए उन्होंने सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी अपने नाम किया था। इसके बाद आई उनकी पिछली फिल्म 'पुष्पा 2' ने तो उन्हें सफलता की बुलंदियों तक पहुंचा दिया। अब अल्लू निर्देशक एटली की अगली फिल्म में नजर आएंगे। एटली की इस फिल्म का निर्माण सन पिक्चर्स के बैनर तले किया जा रहा है। अल्लू को प्रोडक्शन हाउस से फीस के तौर पर 175 करोड़ रुपये मिल रहे हैं। इसके साथ ही वह फिल्म को होने वाले मुनाफे में भी अपनी 15 प्रतिशत हिस्सेदारी लेंगे। यह मौजूदा समय में किसी अभिनेता द्वारा किया गया सबसे बड़ा सौदा है।

अल्लू ने अगस्त, 2025 से एटली और सन पिक्चर्स को शूटिंग के लिए अपनी तारीखें दी हैं।

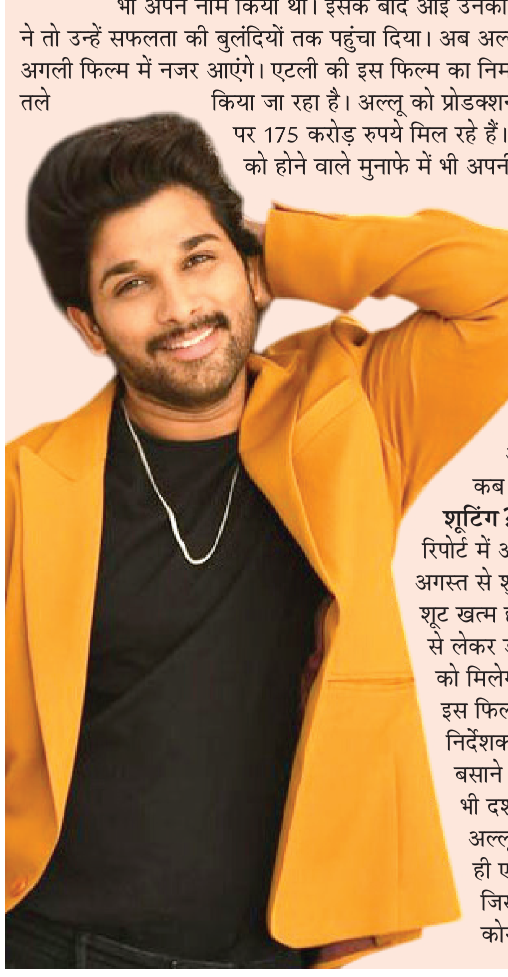

कब शुरू होगी फिल्म की शूटिंग?

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि शूटिंग अगस्त से शुरू होगी और अक्टूबर में शूट खत्म होगा। फिल्म में राजनीति से लेकर ड्रामा तक सबकुछ देखने को मिलेगा।

इस फिल्म के जरिए निर्माता-निर्देशक एक अलग ही दुनिया बसाने वाले हैं और इसका VFX भी दर्शकों को चौंका देगा। यह अल्लू और एटली दोनों के लिए ही एक महत्वकांक्षी प्रोजेक्ट है, जिसे भव्य बनाने में वे कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं।

जॉन अब्राहम अब रोहित शेट्टी के साथ करेंगे फिल्म

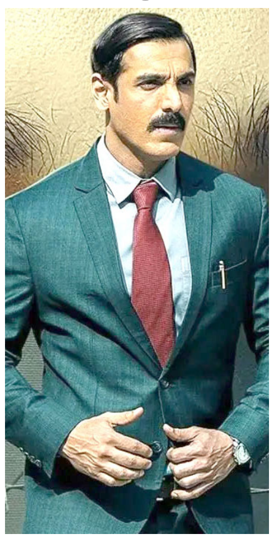

अभिनेता जॉन अब्राहम इन दिनों फिल्म 'द डिप्लोमैट' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। उनकी यह फिल्म भले ही बॉक्स ऑफिस पर कोई कमाल न कर रही हो, लेकिन फिल्म की कहानी और खासकर इसमें जॉन के अभिनय ने दर्शकों को उनका मुरीद बना दिया है। बहरहाल, जॉन की आने वाली फिल्मों पर प्रशंसक निगाहें टिकाए बैठे हैं। हाल ही में जॉन ने पहली बार निर्देशक रोहित शेट्टी के साथ अपनी अगली फिल्म के बारे में बात की।

जॉन से पूछा गया कि क्या वह रोहित शेट्टी के साथ काम कर रहे हैं। इस पर उन्होंने जवाब दिया, ₹हां, हमने एक फिल्म को लेकर बात की है। मैं सच कहूं तो रोहित के साथ काम करने के लिए बहुत उत्साहित हूं। हम दोनों लंबे समय से साथ में कुछ करना चाहते थे। हमारी बातचीत कई बार हो चुकी है। मुझे उम्मीद है कि जल्द ही कुछ बहुत अच्छा और मजेदार आपके सामने आएगा।₹जॉन ने आगे कहा कि जिस विषय पर वह रोहित के साथ चर्चा कर रहे हैं, उससे दर्शकों का दिल जीतने की उम्मीद है। उनके शब्दों में, 'हम जिस विषय पर बात कर रहे हैं वह एक धमाकेदार फिल्म है जो लोगों को चौंका देगी। यह सिर्फ 2 लोगों के सहयोग के बारे में नहीं है, यह विषय के बारे में भी है और यह अविश्वसनीय है, इसलिए हमें उम्मीद है कि इससे कुछ बहुत अच्छा निकलेगा।'

अक्षय ने मुफ्त में की सेल्फी

अक्षय कुमार बॉलीवुड के उन अभिनेताओं में शुमार हैं, जो एक साल में कई फिल्में करते हैं। पिछली बार उन्हें फिल्म 'स्काई फोर्स' में देखा गया था। हालांकि, उनकी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर औसत प्रदर्शन किया। इससे पहले अक्षय की कई ऐसी फिल्में आईं, जिन्होंने निर्माताओं को खूब चूना लगाया। उनकी फिल्म 'सेल्फी' महाफ्लॉप हुई थी। चर्चा थी कि इसके लिए अक्षय ने 35 करोड़ रुपये लिए। अब पृथ्वीराज सुकुमारन ने इस पर एक खुलासा किया है। फिल्म के सह-निर्माता पृथ्वीराज बोले, ₹मैंने अक्षय कुमार के साथ 'सेल्फी' बनाई है। उन्होंने इसके लिए एक भी रुपया नहीं लिया। अक्षय ने सिर्फ इतना कहा था कि अगर ये फिल्म पैसे कमाएगी तो वह अपना मेहनताना लेंगे। ये नहीं चली। लिहाजा उन्होंने कोई पैसा नहीं लिया।₹ इसी के साथ उन अफवाहों पर विराम लग गया, जिनमें कहा गया कि अक्षय ने फिल्म के लिए अपनी फीस में कटौती कर 35 करोड़ रुपये निर्माताओं से लिए।

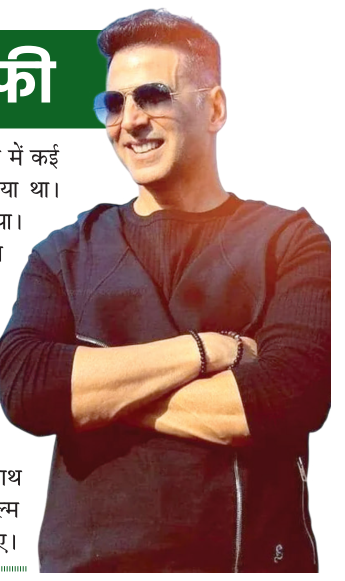

नहीं रहे दिग्गज अभिनेता राकेश पांडे

जाने-माने अभिनेता राकेश पांडे ने इस दुनिया को अलविदा कह दिया है। उन्होंने 77 की उम्र में आखिरी सांस ली। बताया जा रहा है कि कार्डिएक अरेस्ट उनके निधन का कारण बना है। राकेश लंबे समय से फिल्मों और टीवी की दुनिया में सक्रिय थे। अपने कई दिलचस्प किरदारों से उन्होंने दर्शकों के बीच अपनी एक खास पहचान बनाई थी। दिग्गज अभिनेता का 21 मार्च को सुबह करीब 9 बजे कार्डियक अरेस्ट के चलते निधन हो गया। उन्हें मुंबई के जुहू में अरोध्यनिधि अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां ICU में उनका इलाज चल रहा था। राकेश 77 साल के थे। उनके परिवार में उनकी पत्नी, बेटी जसमीत और एक पोती हैं। उनका अंतिम संस्कार 22 मार्च को शास्त्री नदर श्मशान घाट पर संपन्न हुआ।

इन हिंदी और भोजपुरी फिल्मों में किया काम

राकेश ने बॉलीवुड में 'मेरा रक्षक', 'यही है जिंदगी', 'वो मैं नहीं', 'दो राहा' और 'ईश्वर' जैसी फिल्में कीं, वहीं भोजपुरी सिनेमा में उन्होंने 'बलम परदेसिया' और 'भैया दूज' जैसी फिल्मों के लिए वाहवाही लूटी। 'देवदास' (2002), 'दिल चाहता है' (2001), 'लक्ष्य' (2004) और 'ब्लैक' (2005) जैसी हिंदी फिल्मों में भी वह नजर आए। बड़े पर्दे के अलावा, राकेश ने टीवी धारावाहिकों में काम किया। उन्हें 'छोटी बहू', 'दहलीज' और 'भारत एक खोज' जैसे लोकप्रिय धारावाहिकों में देखा गया।

ब्रेक के बाद कपिल की फिल्म से की थी वापसी

अभिनय से 2 दशक से अधिक समय तक दूर रहने के बाद राकेश ने साल 2017 में कपिल शर्मा की फिल्म 'फिरंगी' के साथ वापसी की। उन्होंने 'हुड़दंग' (2022) और वेब सीरीज 'द लॉयर्स शो' में भी भूमिकाएं निभाईं। राकेश का भारतीय सिनेमा में योगदान बेहद महत्वपूर्ण हैं। उनके समर्पण और बहुमुखी प्रतिभाति ने दर्शकों और सिनेमा पर बड़ा गहरा प्रभाव छोड़ा है।

इस फिल्म से शुरू हुआ भारतीय सिनेमा में सफर

राकेश का भारतीय सिनेमा में सफर साल 1969 में बासु चटर्जी की कालजयी फिल्म 'सारा आकाश' से शुरू हुआ। इस फिल्म के जरिए वह न केवल एक उभरते हुए एक्टर के रूप में स्थापित हुए बल्कि उन्हें राष्ट्रपति पुरस्कार भी दिलाया. उन्होंने पुणे के भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान (FTII) से प्रशिक्षण प्राप्त किया और बाद में भारतेन्दु नाट्य अकादमी से जुड़े। फिल्मों में आने से पहले वह थिएटर से गहराई से जुड़े थे।

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

न्यूज़ ब्रीफ

लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी के घर पर चला बुलडोजर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में शनिवार को आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) से जुड़े आतंकी के घर को ध्वस्त कर दिया गया। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, जिला प्रशासन के साथ मिलकर रेखा हसनपोरा में अवैध रूप से निर्मित घर और चबूतरे को ध्वस्त किया गया। इस घर का निर्माण सरकारी जमीन पर अवैध रूप से किया गया था। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि यह संपत्ति आतंकी हारून राशिद गनी की थी। वर्ष 2018 से पाकिस्तान से काम कर रहे गनी पर आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने का आरोप है।

त्रिपुरा में 5.5 करोड़ का नशीला पदार्थ जब्त, तीन गिरफ्तार

अगरतला। त्रिपुरा की राजधानी अगरतला में 5.50 करोड़ रुपये मूल्य की प्रतिबंधित नशीली गोलियां 'याबा बरामद होने के बाद तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को इस मामले की जानकारी दी। पश्चिम त्रिपुरा के पुलिस अधीक्षक किरण कुमार के अनुसार, गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने शुक्रवार रात एक होटल पर छापा मारा। तलाशी के दौरान एक ट्रॉली बैग से 1.10 लाख नशीली गोलियां जब्त की गईं। इन गोलियों में मेथामफेटामाइन और कैफीन का मिश्रण होता है और यह भारत में प्रतिबंधित है। इसे क्रेजी ड्रग के नाम से भी जाना जाता है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपी त्रिपुरा के कमालपुर उपखंड के निवासी हैं।

पंजाब के गांवों में जलाए गए मुख्यमंत्री के पुतले

चंडीगढ़। शंभू और खनौरी सीमा पर प्रदर्शनकारियों को हटाए जाने के विरोध में शनिवार को किसानों ने विरोध-प्रदर्शन किया। इस दौरान गांवों में मुख्यमंत्री के पुतले जलाए गए। इस बीच, कुछ किसान नेताओं ने पटियाला जेल में बंद सरवन सिंह पंधेर सहित अन्य साथियों से मुलाकात की। पटियाला जेल में करीब 125, नाभा जेल में 150 और संगरूर जेल में 40 प्रदर्शनकारी बंद हैं। किसान मजदूर संघर्ष कमेटी (केएमएससी) नेता सुखविंदर सिंह ने किसान नेताओं को हिरासत में लेने, शंभू और खनौरी से प्रदर्शनकारियों को हटाने के लिए आम आदमी पार्टी (आप) सरकार की आलोचना की है। सिंह ने कहा कि हम आंदोलन तेज करेंगे।

एयर इंडिया ने हीथ्रो एयरपोर्ट से फिर शुरू कीं सेवाएं

नई दिल्ली। एयर इंडिया ने शनिवार को घोषणा की कि उसने लंदन के हीथ्रो हवाई अड्डे से अपनी उड़ानें फिर से शुरू कर दी हैं। यह फैसला बिजली की कमी के कारण हवाई अड्डे पर हुए परिचालन व्यवधान के बाद लिया गया। इससे पहले शुक्रवार को, बिजली की कमी के कारण हीथ्रो हवाई अड्डे का संचालन प्रभावित हुआ था, जिसके कारण कई उड़ानें रद्द हो गईं और यात्रियों की यात्रा योजनाएं बाधित हो गईं।

भाजपा विधायक को माफी मांगने का निर्देश

दिसपुर। असम भाजपा ने शनिवार को अपने विधायक रूपज्योति कुर्मी को विधानसभा में विपक्षी सदस्यों के प्रति अपशब्द कहने को लेकर राज्य की जनता से माफी मांगने का निर्देश दिया। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने कुर्मी को लिखे पत्र में कहा कि शुक्रवार को विधानसभा में उनका व्यवहार लोकतांत्रिक परंपराओं के खिलाफ था। मरियानी के विधायक कुर्मी ने सदन में चर्चा के दौरान विपक्षी विधायकों के साथ तीखी नोकझोंक की और उन पर अपशब्दों का प्रयोग किया। जिन्हें बाद में सदन की कार्यवाही से हटा दिया गया। इसके अलावा, उन्होंने विपक्षी सदस्यों की ओर लपकने की भी कोशिश की, लेकिन मार्शलों ने उन्हें रोक दिया।

PoJK से भारत लाए गए उरी के लापता युवक-युवती के शव

श्रीनगर। भारतीय सेना ने शनिवार को बताया कि जम्मू-कश्मीर के बारामुल्ला जिले के उरी तहसील से लापता दो युवकों के शव पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (PoJK) से भारत लाए गए हैं। अधिकारियों के मुताबिक, 5 मार्च को बसग्रान और कमलकोट गांवों के एक युवक और युवती झेलम नदी में डूब गए थे। सेना ने दोनों के शवों की तलाश की थी, लेकिन वे नहीं मिले। 20 मार्च को भारतीय सेना ने झेलम नदी में युवक का शव देखा, लेकिन पानी की तेज धाराओं के कारण वह नियंत्रण रेखा (LoC) पार कर PoJK के चकोठी सेक्टर में चला गया। मानवीय सहयोग दिखाते हुए भारतीय और पाकिस्तानी सेना ने मिलकर सर्च ऑपरेशन चलाया और शव बरामद किए।

जज के बंगले से कैश मिलने का मामला

पहले भी घोटाले में आया था जस्टिस वर्मा का नाम

एजेंसी । नई दिल्ली

दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा के बंगले से 15 करोड़ रुपये कैश मिलने के मामले में कार्रवाई तेज हो गई है। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस डीके उपाध्याय ने सुप्रीम कोर्ट के CJI संजीव खन्ना को इंटरनल इन्क्वायरी रिपोर्ट सौंप दी। अब सुप्रीम कोर्ट का कॉलेजियम इस पर आगे की कार्रवाई करेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने इंटरनल इनक्वायरी बैठाई

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस ने जस्टिस वर्मा के खिलाफ इंटरनल इन्क्वायरी शुरू की है। उन्हें इलाहाबाद हाईकोर्ट में ट्रांसफर करने का प्रस्ताव अलग है। बयान में कहा गया है कि जस्टिस यशवंत वर्मा के आवास पर हुई घटना के संबंध में गलत सूचना और अफवाहें फैलाई जा रही हैं। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने भी इस मामले पर बयान जारी किया। जिसमें कहा गया कि कैश मिलने की गलत सूचनाएं और अफवाहें फैलाई जा रही हैं। दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस आज CJI संजीव खन्ना को प्राइमरी रिपोर्ट सौंपेंगे।

▶▶ हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट को सौंपी रिपोर्ट

वर्मा का विवादों से पुराना नाता

- 2018 में CBI ने जस्टिस वर्मा के खिलाफ FIR दर्ज की थी। मामला गाजियाबाद की सिम्भावली शुगर मिल घोटाले से जुड़ा था, जहां 97.85 करोड़ रुपये के लोन के गलत इस्तेमाल की शिकायत हुई थी। जस्टिस वर्मा तब कंपनी के नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर थे। फरवरी 2024 में कोर्ट ने CBI को जांच दोबारा शुरू करने का आदेश दिया, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इसे रद्द कर दिया और CBI ने केस बंद कर दिया।

क्या है पूरा मामला?

14 मार्च को होली की रात जस्टिस वर्मा के लुटियंस दिल्ली स्थित बंगले पर आग लग गई। दिल्ली अग्निशमन विभाग की टीम आग बुझाने पहुंची, जिसके बाद बंगले से 15 करोड़ कैश बरामद होने की खबरें आईं। घटना के समय जस्टिस वर्मा शहर से बाहर थे, जबकि उनका परिवार घर में मौजूद था। 21 मार्च को दिल्ली फायर सर्विस चीफ अतुल गर्ग के हवाले से कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया कि कैश बरामद नहीं हुआ, लेकिन बाद में उन्होंने ऐसे किसी बयान से इनकार कर दिया।

"आम कर्मचारी के घर 15 लाख रु. मिल जाएं, तो उसे जेल भेज दिया जाता है। जस्टिस वर्मा को इस्तीफा देना चाहिए। अगर वे यहां जॉइन करते हैं, तो हम स्वागत नहीं होने देंगे। कोर्ट में काम नहीं होगा।

अनिल तिवारी, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष

"न्यायपालिका में लंबे समय से भ्रष्टाचार है। इसे खत्म करने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए। पीड़ा आम आदमी भोगता है। जज के घर करेंसी मिली तो सुप्रीम कोर्ट को FIR की अनुमति देनी थी। आगे कार्रवाई वैसे ही हो जैसे आम आदमी पर होती है।

जस्टिस एसएन ढींगरा, रिटायर्ड जज

आपराधिक मानहानि मामला

भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज को नोटिस जारी

- 15 अप्रैल को अगली सुनवाई

एजेंसी । नई दिल्ली

राउज एवेन्यू अदालत ने पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन द्वारा दायर पुनर्विचार याचिका पर भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। विशेष न्यायाधीश जितेंद्र सिंह की अदालत ने इस मामले की अगली सुनवाई 15 अप्रैल को तय की है।

क्या है मामला?

यह मामला मनी लॉन्ड्रिंग केस में सत्येंद्र जैन के घर ईडी की छापेमारी के दौरान बांसुरी स्वराज के टीवी इंटरव्यू से जुड़ा है। आरोप है कि बांसुरी ने इंटरव्यू में कहा था कि जैन के घर से तीन करोड़ रुपये, 1.8 किलोग्राम सोना और 133 सोने के सिक्के मिले।

जैन ने छवि खराब करने की कोशिश का किया दावा

सत्येंद्र जैन का दावा है कि बांसुरी स्वराज के आरोप झूठे हैं और उनकी छवि को नुकसान पहुंचाने के इरादे से यह बयान दिया गया। उन्होंने ट्रायल कोर्ट द्वारा उनकी शिकायत पर संज्ञान न लेने के फैसले को चुनौती दी, जिस पर अदालत ने बांसुरी स्वराज से जवाब मांगा है। अब इस मामले में 15 अप्रैल को अगली सुनवाई होगी, जिसमें बांसुरी स्वराज को अपना जवाब दाखिल करना होगा।

परिसीमन पर JAC का प्रस्ताव पास

▶▶ केंद्र सरकार से पारदर्शिता की मांग

एजेंसी । नई दिल्ली

संयुक्त कार्रवाई समिति (JAC) ने शनिवार को परिसीमन के मुद्दे पर प्रस्ताव पारित किया। इसमें केंद्र सरकार पर पारदर्शिता की कमी को लेकर चिंता जताई गई और परिसीमन प्रक्रिया में अधिक स्पष्टता की मांग की गई। साथ ही, 1971 की जनगणना के आधार पर संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों पर लगी रोक को अगले 25 वर्षों तक बढ़ाने की मांग की गई।

स्टालिन का केंद्र सरकार पर हमला

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा कि भाजपा नीत केंद्र सरकार अपनी गुप्त मंशा को लागू करने के लिए परिसीमन प्रक्रिया को आगे बढ़ा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा हमेशा से राज्यों को उनके अधिकारों से वंचित करने वाली पार्टी रही है। इसके अतिरिक्त जेएसी ने संकल्प लिया कि उनके सांसद परिसीमन का संसद में विरोध करेंगे। प्रस्ताव में कहा गया है, प्रतिनिधित्व वाले राज्यों के सांसदों से बनी कोर कमेटी केंद्र सरकार द्वारा बताए गए सिद्धांतों के विपरीत किसी भी परिसीमन में संसदीय रणनीतियों का समन्वय करेगी।

JAC की प्रमुख मांगें

परिसीमन प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए, जिससे सभी राज्यों के राजनीतिक दल, राज्य सरकारें और हितधारक इस पर विचार-विमर्श कर सकें। 1971 की जनगणना के आधार पर संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों पर लगी रोक को अगले 25 वर्षों तक बढ़ाया जाए। जनसंख्या नियंत्रण उपायों को प्रभावी ढंग से लागू करने वाले राज्यों को दंडित न किया जाए। केंद्र सरकार आवश्यक संवैधानिक संशोधन कर यह सुनिश्चित करे कि कम जनसंख्या वृद्धि वाले राज्यों के साथ भेदभाव न हो।

बैठक में कई बड़े नेता रहे मौजूद

पहली JAC बैठक में तीन राज्यों के मुख्यमंत्री, एक उपमुख्यमंत्री और 20 से अधिक राजनीतिक दलों के नेता शामिल हुए। इस दौरान परिसीमन के संभावित प्रभावों और केंद्र सरकार की रणनीति पर गहन चर्चा हुई। JAC ने यह साफ कर दिया है कि परिसीमन प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की गुप्त मंशा को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इसके खिलाफ संघर्ष जारी रहेगा।

कुलपति की हत्या के आरोपियों की बरी होने का फैसला बरकरार

सुप्रीम कोर्ट ने की सीबीआई की याचिका खारिज

एजेंसी । नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने कश्मीर यूनिवर्सिटी के तत्कालीन कुलपति मुशीर-उल-हक और उनके निजी सचिव की 1990 में हुई हत्या के मामले में सभी सात आरोपियों की बरी होने के फैसले को बरकरार रखा। इस मामले में सीबीआई की अपील को खारिज कर दिया गया। मामले की सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति अभय एस ओका और उज्जल भुयान की पीठ ने कहा कि इस केस की जांच और सुनवाई में कई प्रक्रियागत गलतियां हुईं, जिससे न्याय और सत्य दोनों प्रभावित हुए।

कोर्ट ने जांच पर उठाए सवाल

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जांच के दौरान कानूनी प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया गया। कोर्ट ने यह भी कहा कि कड़ी आतंकरोधी कानून टाडा (टीएडीए) में जबरन कबूलनामे की व्यवस्था थी, लेकिन इसे निष्पक्ष माहौल में लिया जाना चाहिए था।

सीबीआई ने हत्याकांड को लेकर क्या दी थी दलील

सीबीआई के मुताबिक, इस मामले में मुख्य आरोपी हिलाल बेग प्रतिबंधित संगठन जम्मू-कश्मीर स्टूडेंट्स लिबरेशन फ्रंट (जेकेएसएलएफ) का स्वयंभू प्रमुख था। संगठन के अन्य सदस्यों ने मिलकर 6 अप्रैल 1990 को वाइस चांसलर और उनके सचिव का अपहरण कर लिया था और सरकार से अपने तीन साथियों को रिहा करने की मांग की थी। वहीं मांगें पूरी न होने पर 10 अप्रैल 1990 को दोनों की हत्या कर दी गई थी।

विशेष अदालत का फैसला सही था- सुप्रीम कोर्ट

इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि विशेष अदालत का फैसला सही था और इसमें दखल देने की कोई जरूरत नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी टिप्पणी की कि ऐसे कठोर कानूनों का दुरुपयोग होता था, इसलिए इन्हें बाद में हटा दिया गया।

पोंजी स्कीम

सुप्रीम कोर्ट के जजों की टीम मणिपुर में विस्थापित लोगों से मिली

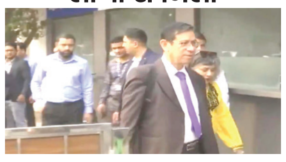

इंफाल। न्यायमूर्ति बीआर गवई की अध्यक्षता में सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की एक टीम ने शनिवार को जातीय संघर्ष प्रभावित मणिपुर के चुराचांदपुर जिले का दौरा किया और आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों से मुलाकात की। उन्होंने जिले के लामका स्थित मिनी सचिवालय से एक विधिक सेवा शिविर, एक चिकित्सा शिविर और एक विधिक सहायता क्लिनिक का भी वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया। जजों की टीम ने सद्भावना मंडप राहत केंद्र का दौरा किया और आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों से बातचीत की। न्यायमूर्ति गवई के अलावा, टीम में सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश विक्रम नाथ, एमएम सुंदरेश और केवी विश्वनाथन शामिल थे।

ईडी ने पीएसीएल के प्रमोटर के दामाद को किया गिरफ्तार

▶▶ संपत्तियां भी हुईं जब्त

एजेंसी । नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालयन (ईडी) ने पोंजी स्कीम मामले में पर्ल्स एग्रीटेक कॉर्पोरेशन लिमिटेड (पीएसीएल) के दिवंगत प्रमोटर निर्मल सिंह भंगू के दामाद हरसतिंदर पाल सिंह को गिरफ्तार किया है। मामले में ईडी ने शनिवार को बताया कि यह गिरफ्तारी 48000 करोड़ रुपये की पोंजी स्कीम से जुड़ी मनी लॉन्डिंग जांच के तहत की गई है। बता दें कि इस स्कीम में लाखों निवेशकों से धोखा किया गया था। ईडी के अनुसार हरसतिंदर हेयर पीएसीएल और उसके सहयोगी कंपनियों में निदेशक था, जिनमें दो ऑस्ट्रेलियाई कंपनियां भी शामिल थीं। इन कंपनियों के जरिए करीब 657.18 करोड़ रुपये की राशि को ऑस्ट्रेलिया में विभिन्न रियल एस्टेट संपत्तियों में निवेश किया गया।

ईडी ने जब्त की करोड़ों की संपत्ति

ईडी ने इस मामले में 706 करोड़ रुपये की संपत्तियां जब्त की हैं, जिनमें से 462 करोड़ रुपये की संपत्तियां ऑस्ट्रेलिया में हैं। इन संपत्तियों के विवरण को सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त न्यायमूर्ति लोढ़ा समिति के साथ साझा किया गया है, जो निवेशकों को उनका पैसा लौटाने की प्रक्रिया की देखरेख करेगी।

लाखों निवेशकों के साथ ठगी का मामला

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कहा है कि पीएसीएल और उसके निदेशकों ने करीब 48,000 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की थी, जिससे लाखों निवेशक ठगे गए थे। ईडी ने पीएसीएल के प्रमोटर निर्मल सिंह भंगू के दामाद हरसतिंदर पाल सिंह हेयर को गिरफ्तार किया है। हेयर पीएसीएल और उसकी सहयोगी कंपनियों का निदेशक था, जिनमें दो ऑस्ट्रेलियाई कंपनियां भी शामिल थीं। गौरतलब है कि निर्मल सिंह भंगू का पिछले साल अगस्त में निधन हो गया था, लेकिन मामले की जांच अभी भी जारी है।

खतरा जलवायु परिवर्तन के चलते तेजी से पिघल रहे ग्लेशियर

ग्लेशियर में बर्फ की गहराई में 50% से अधिक की गिरावट

एजेंसी । नई दिल्ली

जलवायु परिवर्तन के कारण हिमालय और माउंट एवरेस्ट के ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, जिससे भविष्य में बाढ़ और जल संकट जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। राष्ट्रीय ध्रुवीय और महासागर अनुसंधान केंद्र (एनसीपीओआर) की रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिमी हिमालय में सुत्री ढाका ग्लेशियर पर जून 2024 में बर्फ की गहराई में 50% से अधिक की गिरावट आई।

एवरेस्ट पर भी दिखा असर

अमेरिकी वैज्ञानिक मौरी पेल्टो के अनुसार, अक्टूबर 2023 से जनवरी 2025 तक नासा के सैटेलाइट डेटा से यह पता चला कि माउंट एवरेस्ट की बर्फ 150 मीटर तक घट चुकी है। तापमान इतना बढ़ गया है कि बर्फ पानी में बदलने के बजाय सीधे वाष्पित हो रही है, जिससे प्रतिदिन 2.5 मिमी बर्फ का नुकसान हो रहा है।

ब्लैक कार्बन से भी बढ़ रहा खतरा

पर्यावरण वैज्ञानिक जेसी कुनियाल के अनुसार, जंगलों में बढ़ती आग और वाहनों से निकलने वाला ब्लैक कार्बन हिमालयी ग्लेशियरों पर जमकर तापमान बढ़ा रहा है, जिससे ग्लेशियरों का पिघलना तेज हो गया है।

हिमालय में बर्फबारी घटी, बारिश बढ़ी

इसरो और नेशनल रिमोट सेंसिंग सेंटर के शोध के मुताबिक, 1991 से 2020 के बीच हर दशक में नुब्रा और भागीरथी घाटियों में 2 मिमी तक बर्फबारी घटी और बारिश बढ़ी है। डीआरडीओ वैज्ञानिक एम. आर. भूटियानी का अनुमान है कि अगले 120 वर्षों में उत्तर-पश्चिमी हिमालय में तापमान 3 डिग्री तक बढ़ सकता है, जिससे बर्फबारी और कम होगी।

हिमाचल में 14% घटी बर्फबारी

हिमाचल प्रदेश की HIMCOSTE रिपोर्ट के अनुसार, 2021-22 की तुलना में 2022-23 की सर्दियों में बर्फ से ढका क्षेत्र 14.05% कम हो गया। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि इससे जलविद्युत, कृषि और जल स्रोतों पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा।

माइक्रोप्लास्टिक से ग्लेशियरों का बढ़ता तापमान

चीन की एकेडमी ऑफ साइंस के शोध के अनुसार, माइक्रोप्लास्टिक के कण ग्लेशियरों पर जमा होकर सूरज की गर्मी सोखते हैं, जिससे ग्लेशियरों का तापमान बढ़ता है और वे तेजी से पिघलते हैं।

जल संकट और बाढ़ का खतरा

शोधकर्ताओं के मुताबिक, तिब्बती पठारों के ग्लेशियर 21वीं सदी में 21% तक पिघल सकते हैं, जिससे गंगा, ब्रह्मपुत्र जैसी नदियों में जल प्रवाह 28% तक कम हो सकता है। ग्लेशियरों के पिघलने से ग्लेशियल झीलें फटने का खतरा भी बढ़ गया है, जिससे विनाशकारी बाढ़ आ सकती है।

विशेषज्ञों की राय

सीएसई एक्सपर्ट सिद्धार्थ सिंह का कहना है कि माइक्रोप्लास्टिक और ब्लैक कार्बन प्रदूषण ग्लेशियरों के लिए बड़ा खतरा बन रहे हैं। हाल ही में अंटार्कटिका की बर्फ में भी माइक्रोप्लास्टिक के कण पाए गए हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि ग्लेशियरों को बचाने के लिए तत्काल उपाय करने की जरूरत है।

आतिशी और संजय सिंह के खिलाफ मानहानि याचिका पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली। राउज एवेन्यू अदालत ने कांग्रेस के पूर्व सांसद संदीप दीक्षित द्वारा दायर मानहानि शिकायत पर संज्ञान लेने को लेकर फैसला सुरक्षित रख लिया है। 26 दिसंबर 2024 को एक प्रेस वार्ता के दौरान आप नेता आतिशी और संजय सिंह ने संदीप दीक्षित पर भाजपा से करोड़ों रुपये लेने और कांग्रेस व भाजपा के बीच मिलीभगत का आरोप लगाया था। संदीप दीक्षित ने इन बयानों को अपनी साख को नुकसान पहुंचाने वाला बताते हुए अदालत में मानहानि की शिकायत दर्ज कराई। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पारस दलाल की अदालत अब 3 अप्रैल को तय करेगी कि इस शिकायत पर संज्ञान लिया जाए या नहीं।